हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 323, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 12 मई, 2022 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून पर लगाई रोक

अदालत ने कहा- समीक्षा होने तक दर्ज नहीं होगी नई एफआईआर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को राजद्रोह कानून की आईपीसी की धारा 124ए के तहत कोई मामला दर्ज नहीं करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने सरकार को आईपीसी की धारा 124ए के प्रावधानों पर समीक्षा की अनुमति भी दी। हालांकि, अदालत ने कहा राजद्रोह कानून की समीक्षा होने तक सरकारें धारा 124अ में कोई केस दर्ज न करें और न ही इसमें कोई जांच करें।

जुलाई में होगी सुनवाई- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कि अगर राजद्रोह के मामले दर्ज किए जाते हैं, तो वे पक्ष राहत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र हैं। अदालतों को ऐसे मामलों का तेजी से निपटारा करना होगा। कोर्ट ने कहा कि आरोपी को राहत मिलना जारी रहेगा। राजद्रोह कानून के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर अगली सुनवाई जुलाई में होगी। गौरतलब है कि बुधवार को सुनवाई के दौरान सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रखा। तुषार मेहता ने कहा कि गंभीर अपराधों को दर्ज होने से नहीं रोका जा सकता है। प्रभाव को रोकना सही दृष्टिकोण नहीं हो सकता है इसलिए, जांच के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी होना चाहिए और उसकी संतुष्टि न्यायिक समीक्षा के अधीन है। उन्होंने आगे कहा कि राजद्रोह के मामले दर्ज करने के लिए एसपी रैंक के अधिकारी को जिम्मेदार बनाया जा सकता है।

'अदालतों पर भरोसा करने की जरूरत'- तुषार मेहता ने आगे कहा कि हमें राजद्रोह के हर मामलों की गंभीरता का नहीं पता है। इनमें कोई मनी लांड्रिंग से जुड़ा हो सकता है या फिर आतंकी से। लंबित मामले अदालत के सामने हैं। हमें अदालतों पर भरोसा करने की जरूरत है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि संविधान पीठ द्वारा बरकरार रखे गए राजद्रोह के प्रावधानों पर रोक लगाने के लिए कोई आदेश पारित करना सही तरीका नहीं हो सकता है। बता दें कि राजद्रोह से संबंधित दंडात्मक कानून के दुरुपयोग से चिंतित शीर्ष अदालत ने पिछले साल जुलाई में केंद्र सरकार से पूछा था कि वह उस प्रविधान को निरस्त क्यों नहीं कर रही जिसे स्वतंत्रता आंदोलन को दबाने और महात्मा गांधी जैसे लोगों को चुप कराने के लिए अंग्रेजों द्वारा इस्तेमाल किया गया। तब याचिकाओं पर नोटिस जारी करते हुए अदालत ने प्रावधान के कथित दुरुपयोग का उल्लेख किया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा था, 'यह एक औपनिवेशिक कानून है। यह स्वतंत्रता आंदोलन को दबाने के लिए था। इसी कानून का इस्तेमाल अंग्रेजों ने महात्मा गांधी, तिलक आदि को चुप कराने के लिए किया था। क्या आजादी के 75 साल बाद भी यह जरूरी है?'

देश में फिर बढ़े कोरोना के मामले, 24 घंटे में 2897 लोग हुए संक्रमित, 54 की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में फिर इजाफा देखने को मिला है। बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 2,897 मामले सामने आए हैं। बता दें कि ये लगातार दूसरा दिन है जब देश में कोरोना के मामले तीन हजार से कम दर्ज किए गए हैं। इससे पहले कल यानी मंगलवार को कोरोना के 2,288 मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान देश में कोरोना के कारण 54 लोगों की मौत भी हुई है। मृतकों में 48 केरल, दो महाराष्ट्र और दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से एक-एक व्यक्ति है। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि कुल मृतकों में से 70 फीसद लोग गंभीर बीमारी से ग्रसित थे। राहत की बात है कि एक्टिव केस लगातार कम हो रहे हैं। कोरोना से बीते 24 घंटे में कुल 2,986 लोग रिकवर हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर अब 19,494 रह गए हैं। एक्टिव केस कुल मामलों का 0.05 फीसद है। बता दें कि कोरोना के अब तक कुल 4 करोड़ 31 लाख 10 हजार 586 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं, अब तक 5 लाख 24 हजार 157 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि अब तक कुल 4 करोड़ 25 लाख 66 हजार 935 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि डेली पाजिटिविटी दर 0.61 फीसद हो गई है।

मुख्यमंत्री योगी ने कोरोना महामारी पर टीम-9 के अधिकारियों के साथ की बैठक, जारी किए दिशा-निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कोरोना वायरस को लेकर लखनऊ में टीम-9 के अधिकारियों के साथ बैठक की। कोरोना संक्रमण की चौथी लहर की आशंका के बीच मुख्यमंत्री योगी ने कोविड प्रबंधन हेतु गठित टीम-9 को दिशा-निर्देश जारी किए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा उत्तर प्रदेश में अब तक कोविड टीके की 31 करोड़ 85 लाख डोज लगाई जा चुकी है। जबकि 11 करोड़ 23 लाख से अधिक कोविड टेस्ट भी किए जा चुके हैं।

18+ आयु की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक डोज लग चुकी है, जबकि 89.86 प्रतिशत वयस्क लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है। 15 से 17 आयु वर्ग में 95.85 प्रतिशत से अधिक किशोरों को पहली खुराक मिल चुकी है और 69.80 प्रतिशत से किशोरों को दोनों डोज लग चुकी है। 12 से 14 आयु वर्ग में 70 प्रतिशत से अधिक बच्चे टीकाकवर पा चुके हैं, इन्हें दूसरे डोज लगाया जाना भी शुरू हो चुका है। यह स्थिति संतोषजनक है। बच्चों के टीकाकरण और वयस्कों के बूस्टर डोज लगाए जाने को और तेज किए जाने की जरूरत है। सीएम योगी ने कहा ट्रैक, टेस्ट, ट्रीट और टीकाकरण की नीति के सफल क्रियान्वयन से उत्तर प्रदेश में कोविड पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 1432 एक्टिव केस हैं। इसमें 1374 लोग घर पर ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इनके स्वास्थ्य पर सतत नजर रखी जाए। बीते 07 मई को प्रदेश में 2000 से अधिक एक्टिव केस थे, सब फिर नए केस की संख्या में कमी देखी जा रही है। कल की पॉजिटिविटी 0.03 प्रतिशत रही।

स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन सतर्कता जरूरी है। पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में 179 नए केस की पुष्टि हुई, जिसमें, गौतमबुद्ध नगर में 56, गाजियाबाद में 37, लखनऊ में 21 नए केस शामिल हैं। इसी अवधि 231 लोग स्वस्थ भी हुए। जिन जिलों में केस अधिक मिल रहे हैं वहां सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाया जाना अनिवार्य है। इसे लागू कराएं। लोगों को जागरूक करें। टेस्ट की संख्या बढ़ाये जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्सिंग/पैरामेडिकल के क्षेत्र में अच्छा कॅरियर है। एएनएम/जीएनएम के बेहतर प्रशिक्षण के लिए अवस्थापना सुविधाओं के विकास की जरूरत है।

ऐसे में पिछले तीन दशकों से बंद पड़े राज्य सरकार के प्रशिक्षण संस्थानों के पुनसंर्चालन की कार्ययोजना तैयार की जाए। प्रारंभिक रूप से 09 जीएनएम ट्रेनिंग स्कूल और 34 एएनएम प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन करने की तैयारी करें। हर संस्थान में मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। फैकल्टी पर्याप्त हो, अच्छी हो। मेडिकल कॉलेज/जिला अस्पताल में भी इनके प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर आज उत्तर प्रदेश खुले में शौच से मुक्त हो चुका है।

डंपर ने टेंपो और बाइक में मारी टक्कर, मां-बेटे समेत तीन की मौत, 10 लोग गंभीर रूप से घायल

हरदोई। कटरा बिल्हौर हाईवे पर हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के कुइयां खेड़ा गांव के निकट डंपर ने टेंपो और बाइक में टक्कर मार दी।

हादसे में टेंपो सवार मां-बेटा और बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं हादसे में दस लोग घायल भी हो गए हैं। आस पास से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को कब्जे में ले लिया है। जबकि घायलों को सीएचसी भिजवाया गया है, जहां से पांच लोगों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पाली क्षेत्र के रूपापुर चौराहा से एक टेंपो सवारियां लेकर हरपालपुर जा रहा था। कटरा बिल्हौर हाईवे पर हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के कुइया खेड़ा गांव के निकट सामने से आ रहे डंपर ने टेंपो और एक बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो पर सवार पाली क्षेत्र के ग्राम गांधिया मजरा मुडैर की मूर्ति देवी पत्नी मुंशी लाल यादव और उनके 12 वर्षीय पुत्र सचिन ने दम तोड़ दिया। वहीं बाइक सवार लोनार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सौरंगपुर के सुखदेव पुत्र रामलाल की मौत हो गई। हादसे में भरखनी की सीता, नगरा बरसोहिया का टेंपो चालक ज्ञानेंद्र, बिछहीया पांडेपुर के सुरेश, लट्ठपुरा के अनूप, भरखनी के अवनीश, लमकन की गीता और मूर्ति देवी की पुत्री रागिनी, पुत्र प्रशांत समेत दस लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने सीएचसी भिजवाया, जहां से टेंपो चालक ज्ञानेंद्र, टेंपो सवार सुरेश, रागिनी, प्रशांत समेत पांच लोगों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल भेज दिया गया। घटना की जानकारी पर परिवारवाले सीएचसी पहुंचे और कोहराम मच गया।

बिजनौर में बोलीं राज्यपाल आनंदीबेन, जनता तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ

मेरठ। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बिजनौर जाने के लिए बुधवार को मेरठ आई। वे राजकीय वायुयान से लखनऊ से सुबह 10 बजे परतापुर हवाई पट्टी पर पहुंची। परतापुर हवाई पट्टी से राज्यपाल सड़क मार्ग से बिजनौर के लिए रवाना हुई। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का बिजनौर के कृषि अनुसंधान केंद्र में कार्यक्रम है। बुधवार को राज्यपाल सुबह दस बजे राजकीय वायुयान से परतापुर हवाई पट्टी आई। यहां डीएम दीपक मीना ने उनका स्वागत किया। राज्यपाल यहां से कार द्वारा बिजनौर के लिए रवाना हुई।

जनता तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभः आनंदीबेन- राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बुधवार को दोपहर साढ़े बारह बजे विकास भवन पहुंचीं। यहां उन्होंने पुलिस गारद की सलामी ली। बाद में सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह सरकारी योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचाने का काम करें। इस कार्यक्रम के बाद वह जिला अस्पताल में वन स्टॉप सेंटर, जिला जेल एवं विदुर कुटी पर भ्रमण के लिए जाएंगी। राज्यपाल के भ्रमण के दौरान निर्धारित स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस तैनात की गई है। मीडिया को राज्यपाल के कार्यक्रम से दूर रखा गया है।

राज्यपाल दौरे को लेकर चाक चौबंद व्यवस्था- बिजनौरः राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बुधवार दोपहर साढ़े बारह बजे विकास भवन आयोजित कार्यक्रम में भाग लेगी। इसके बाद वह जिला अस्पताल में वन स्टॉप सेंटर, जिला जेल एवं विदुर कुटी पर भ्रमण के लिए जाएगी। पुलिस-प्रशासन ने इसके लिए तैयारी पूरी कर ली है। सभी स्थानों पर पुलिस तैनात कर दी गई है। मेरठ से लेकर बिजनौर तक हाईवे पर सुरक्षा मजबूत की गई है। राज्यपाल सड़क मार्ग से बिजनौर पहुंचेगी।

ताइवान स्ट्रेट से गुजरा अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस पोर्ट रॉयल तो गुस्से में आया चीन

शंघाई। चीन ने अमेरिका को ताइवान को लेकर सीधी चेतावनी दी है। चीन की सेना की तरफ कहा गया है कि वो अमेरिकी युद्धपोत की निगरानी कर रहा है जो जो संवेदनशील ताइवान जलडमरू मध्य से रवाना हुआ था। ये इस इलाके में चीन की ड्रिल के बाद हुआ है। बता दें कि अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े ने बताया था कि कि निर्देशित मिसाइल क्रूजर यूएसएस पोर्ट रॉयल मंगलवार को नियमित रूप से ताइवान स्ट्रेट ट्रांजिट का संचालन किया था। ये उसका दो सप्ताह में ऐसा दूसरा मिशन था। अमेरिका ने अपने बयान में कहा है ये पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत था। गौरतलब है कि अमेरिका हर माह महीने में लगभग एक बार अपने युद्धपोत को इस इलाके से गुजारता है। अमेरिका के इस कदम से चीन हमेशा से ही चिढ़ता रहा है। चीन का कहना है कि ये इलाका उसकी सीमा के अंदर आता है। आपको बता दें कि चीन हमेशा से ही

ताइवान को अपना हिस्सा बताता आया है। इस वजह से ही वो ताइवान स्ट्रेट पर भी अपना हक जताता है। अमेरिका की मौजूदगी हमेशा से ही चीन को न सिर्फ परेशान करती रही है बल्कि उसकी अमेरिका से नाराजगी का भी सबसे बड़ा कारण यही है। चीन की सीनाजोरी के मुद्देनजर अमेरिका ताइवान को अपना पूरा समर्थन दे रहा है। चीन अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों की ताइवान यात्रा से भी नाराज होता है। अमेरिकी पोत के ताइवान स्ट्रेट से गुजरने से नाराज चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ईस्टर्न थिएटर कमांड ने अपने एक बयान में कहा है कि उसके बलों की पूरी निगाह अमेरिकी पोत पर थी। इस दौरान अमेरिकी पोत को चेतावनी भी दी गई थी। चीन का कहना है कि अमेरिका के इस तरह के कदमों से इस पूरे इलाके में तनाव बढ़ता है। चीन ने ये भी कहा है कि उसके सशस्त्र बल हमेशा से ही इस इलाके में हाई अलर्ट पर रहता है। चीन अपनी सीमाओं की रक्षा करने के लिए न सिर्फ प्रतिबद्ध है बल्कि सशक्त भी है।

राजस्थान के भीलवाड़ा में युवक की हत्या के बाद तनाव, इंटरनेट बन्द, भारी पुलिस बल तैनात

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा में एक बार फिर तनाव हो गया। मंगलवार देर रात एक युवक की हत्या के बाद उत्पन्न हुआ। हालात को नियंत्रित करने के लिए जिला कलक्टर आशीष मोदी ने भीलवाड़ा जिले मे 24 घंटे के लिए इंटरनेट बन्द कर धारा-144 लागू कर दी । हिन्दू संगठनों के आह्वान पर बुधवार को भीलवाड़ा के अधिकांश बाजार बन्द रहे । भाजपा ने बन्द का समर्थन किया है। बन्द के दौरान भाजपा, बजरंग दल,हिन्दू जागरण मंच और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकताओं ने शहर में घूमकर लोगों से समर्थन मांगा । शहर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सरकार ने इस मामले की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बीजू जार्ज जोसफ की अगुवाई में एसआईटी (विशेष जांच दल) गठित की है। मंगलवार रात भीलवाड़ा के शास्त्री नगर में 20 वर्षीय युवक आदर्श तापड़िया स्कूटी पर जा रहा था । इस दौरान बाइक पर सवार दो मुस्लिम युवकों ने उसे रोका और मारपीट की। उसके सीने में चाकू मार दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। आदर्श को अस्पताल पहुंचाया गया,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया । कुछ ही देर में महात्मा गांधी अस्पताल के बाहर भीड़ एकत्रित हो गई। स्वजनों ने शव लेने से इन्कार कर दिया । स्वजन और शहर के लोग मृतक के आश्रितों के लिए 50 लाख रुपए मुआवजे और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं। शव अब तक अस्पताल की मोर्चरी में रखा है। बदमाशों ने आदर्श के पैर भी तोड़ दिए थे। इस मामले में पुलिस ने एक नाबालिग सहित पांच लोगों को हिरासत में लिया है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह भीलवाड़ा के सांगानेर में दो युवकों के साथ मारपीट के बाद तनाव भड़क गया था । हालांकि पुलिस ने उस पर तत्काल काबू पा लिया था। अब एक बार फिर भीलवाड़ा शहर में तनाव व्याप्त हो गया।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर हमला, बोले- फ्री राशन की घोषणा करने वाले अब चुनाव निकल गया तो पहचानते नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री अन्न योजना के तहत मिलने वाले फ्री राशन पर अखिलेश यादव ने अपने ट्विटर हैंडल से एक वीडियो ट्वीट कर प्रदेश सरकार पर तंज कसा है। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव के समय फ्री राशन का वादा करने वाले चुनाव खत्म होने के बाद शर्त रखकर राशन कार्ड सरेंडर करने का दबाव बना रहे हैं। अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए कहा कि, 'मुफ्त राशन देते समय तो कोई घोषणा न हुई पर अब कुछ परिस्थितियों की शर्त रखकर राशन-कार्ड को वापस कार्यालय में सरेंडर करने की मुनादी की जा रही है अन्यथा इन राशन-कार्ड से लिये गए गेहूं, चावल, चना, तेल व नमक तक को बाजार भाव से वसूलने की धमकी दी जा रही है। चुनाव निकल गया पहचानते नहीं।'

मुफ़्त राशन देते समय तो कोई घोषणा न हुई पर अब कुछ परिस्थितियों की शर्त रखकर राशन-कार्ड को वापस कार्यालय में सरेंडर करने की मुनादी की जा रही है अन्यथा इन राशन-कार्ड से लिये गए गेहूँ, चावल, चना, तेल व नमक तक को बाजार भाव से वसूलने की धमकी दी जा रही है। वीडियो में एक व्यक्ति मुनादी कर रहा है। इसमें वह कार्ड धारकों से कह रहा है कि जिन कार्ड धारकों के पास चार पहिया वाहन ट्रैक्टर, पांच एकड़ जमीन, सरकारी कर्मचारी, शस्त्र लाइसेंस, पांच केवी जनरेटर, एयर कंडीशन, सौ वर्ग मीटर मकान या फ्लैट है वो अपना राशन कार्ड तहसील उतरौला में आपूर्ति कार्यालय में जाकर सरेंडर कर दे। अन्यथा जांच के बाद अगर वो अपात्र पाया जाते हैं तो गेहूं 24 किलो, चावल 32 रुपये किलो और चना, नमक, तेल बाजार भाव पर रिकवरी किया जाएगा। इसकी समस्त जिम्मेदारी कार्ड धारक की होगी।

सपा मुखिया ने भी किया था फ्री राशन का वादा : अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव में सभा के दौरान कहा था कि अगर उनकी सरकार बनी तो पांच साल तक गरीबों को मुफ्त राशन के अलावा स्वास्थ्य बेहतर करने के लिए एक किलोग्राम घी भी दिया जाएगा। अखिलेश ने यह भी कहा था कि इस समय गरीबों को जो राशन मिल रहा है, वह केवल चुनाव तक मिलने वाला है। चुनाव के बाद यह नहीं मिलेगा।

फ्री राशन योजना : प्रदेश में कोरोना काल के दौरान गरीबों को मुफ्त राशन देने की योजना शुरू की गई थी जिसे नवंबर 2021 तक जारी रखना था। लेकिन कोरोना के कारण लोगों की आमदनी पर पड़े प्रभाव को देखते हुए योगी सरकार ने मार्च के अंत तक इस योजना के जारी रखने का एलान किया था। बता दें कि यूपी में नई सरकार के गठन के बाद पहली कैबिनेट मीटिंग में फ्री राशन योजना को तीन माह तक बढ़ा दिया गया था।

'मोदी @ 20: ड्रीम्स मीटिंग डिलीवरी' किताब का हुआ विमोचन पीएम मोदी के पिछले 20 सालों का है एक दुर्लभ संकलन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 20 सालों तक के कामकाज पर आधारित किताब 'मोदी @ 20: ड्रीम्स मीटिंग डिलीवरी' का विमोचन बुधवार को किया गया। इस किताब का विमोचन उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू द्वारा किया गया। 'मोदी @ 20: ड्रीम्स मीटिंग डिलीवरी' पुस्तक का विमोचन करते हुए, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने दुनिया को दिखाया कि सपने वास्तव में हासिल की जी सकती है। विमोचन समारोह के दौरान, नायडू ने पुस्तक के लेखकों को उनके "तीव्र विश्लेषण और ठोस प्रस्तुति" के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, 'लेखकों ने एक प्रतिष्ठित नेता की 20 साल की आकर्षक यात्रा की रूपरेखा का कुशलता से पता लरागकर इस किताब को लिखा है। नायडू ने आगे कहा, यह किताब एक दुर्लभ संकलन है जो पाठकों को आधुनिक भारत के सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित नेताओं में से एक के विकास के बारे में जानकारी देती है।' उन्होंने आगे कहा कि आजादी के बाद पैदा हुए पहले प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई दामोदरदास मोदी ने पिछले 20 सालों में आजादी के बाद के भारत के इतिहास में लगभग 13 सालों तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए और प्रधानमंत्री के रूप में आठ साल में एक अद्वितीय स्थान बनाया है। वेंकैया नायडू ने बताय कि यह किताब विशिष्ट विचार प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं, अग्रणी, सक्रिय दृष्टिकोण और सर्वोत्कृष्ट, परिवर्तनकारी नेतृत्व शैली को प्रस्तुत करती है। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि यह प्रकाशन निश्चित रूप से पीएम मोदी को 'डिकोड' करने में मदद करता है, वहीं यह किताब यह समझने में मदद करता है कि कैसे वह अपने देश के लोगों के लिए बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं।

संपादकीय

संतूर के उस्ताद

भारतीय संगीतकार और संतूर वादक पंडित शिवकुमार शर्मा का मुंबई में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। वह पिछले छह महीने से किडनी संबंधी समस्याओं से पीड़ित थे और डायलिसिस पर थे। पंडित शिव कुमार शर्मा का सिनेमा जगत में अहम योगदान रहा। बॉलीवुड में शिव-हरी नाम से मशहूर शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया की जोड़ी ने कई सुपरहिट गानों में संगीत दिया था। इसमें से सबसे प्रसिद्ध गाना फिल्म चांदनी का मेरे हाथों में नौ-नौ चूडियां रहा, जो दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी पर फिल्माया गया था। शिव कुमार शर्मा का 15 मई को कॉन्सर्ट होने वाला था। सुरों के सरताज को सुनने के लिए कई लोग बेताब थे। शिव-हरि (शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया) की जुगलबंदी से अपनी शाम रौनक करने के लिए लाखों लोग इंतजार कर रहे थे। लेकिन अफसोस इवेंट से कुछ दिन पहले ही शिव कुमार शर्मा ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। अपने खास अंदाज से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संगीत को पहचान दिलाई। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में पंडित शिवकुमार शर्मा ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही उन्होंने मनोरंजन जगत में अपनी प्रतिभा का लोह मनवाया। उन्होंने बांसुरी के दिग्गज पंडित हरि प्रसाद चौरसिया के साथ मिलकर सिलसिला, लम्हे और चांदनी जैसी फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया था। पंडित शिवकुमार शर्मा ने सिलसिला फिल्म के थीम सॉन्ग का संगीत भी तैयार किया। 1981 में आई इस फिल्म में अभिनेता अमिताभ बच्चन, अभिनेत्री जया बच्चन और रेखा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। हरिप्रसाद चौरसिया और शिवकुमार शर्मा ने इस फिल्म को बैकग्राउंड स्कोर प्रदान किया। यह फिल्म भले ही असफल रही, मगर इसके गाने काफी हिट हुए। इस फिल्म के ये कहां आ गए हम, देखा एक ख्वाब, रंग बरसे भीगे चुनरवाली गाने आज भी लोग गुनगुनाते हैं। फिल्म सिलसिला के लिए यश चोपड़ा नया संगीतकार ढूंढ रहे थे। उन्होंने शिवहरि को संगीतकार के रूप में चुना। दोनों ने खुद को साबित कर दिखाया। शिवहरि ने सिलसिला फिल्म के गानों के लिए अलग तरह की धुनें बनाईं। इस फिल्म में लता मंगेशकर और किशोर कुमार के अलावा अमिताभ बच्चन से भी गाने गवाए। सिलसिला के लिए बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड मिलने के बाद यह जोड़ी यश चोपड़ा की फिल्मों के लिए संगीत देने लगी। 1985 में आई फासले, 1988 में आई विजय असफल रहीं, लेकिन संगीत हिट रहा। फ्लॉप फिल्मों के दौर से गुजर रहे यश चोपड़ा ने 1989 में ऋषि कपूर, श्रीदेवी और विनोद खन्ना को लेकर चांदनी फिल्म बनाई। फिल्म की रिलीज से पहले ही इस फिल्म के गाने हिट हो गए। शिव हरि के संगीत से फिल्म हिट हुई। इन दोनों के संगीत ने यश चोपड़ा के करियर को फिर पटरी पर पहुंचाया। शिवकुमार शर्मा और हरिप्रसाद चौरसिया ने मिलकर कुल आठ फिल्मों के लिए साथ काम किया। इनमें से सात फिल्में यश चोपड़ा ने निर्देशित कीं।

आया है आदेश !

किसी भी कानून का ।
ना हो दुरुपयोग ।।
सही जगह पर ठीक से ।
हो कोई प्रयोग ।।
बांधनी ये गांठ ।
होगा रखना ध्यान ।।
हाशिए पर ना जाए ।
किसी का सम्मान ।।
आया है आदेश ।
आत्ममंथन काल ।।
कभी-कभी कुछ फैसले ।
कर जाते कमाल ।।
देखते अब आगे ।
क्या आता बदलाव ।।
आखिरकार हम सब ।
पहुंचे इस पड़ाव ।।

–कृष्णेन्द्र राय

अखिलेश से नहीं संभल पा रही समाजवादी पार्टी, ऐसे में खुद कमान संभाल सकते हैं मुलायम

नया नेतृत्व, नई समाजवादी पार्टी के जुमले पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की लगातार जारी नाकामयाबी के चलते ग्रहण लगता नजर आ रहा है। जबसे अखिलेश ने मुलामय सिंह यादव की जगह सपा की कमान संभाली है तब से वह दो लोकसभा और दो विधान सभा चुनाव हार चुके हैं। नगर निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी समाजवादी पार्टी बैकफुट पर ही नजर आई। रही-सही कसर विधान परिषद चुनाव में सूपड़ा-साफ होने से पूरी हो गई। विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव में सपा का सूपड़ा साफ होने से ज्यादा पार्टी के लिए चिंता का विषय उसे अपने गढ़ में मिली पराजय है। एमएलसी के इस चुनाव में सत्तारुढ़ दल का दबदबा देखने को मिला और बीजेपी ने विधान परिषद में ऐतिहासिक जीत हासिल की। मुख्य विपक्षी दल के रूप में समाजवादी पार्टी का शून्य पर सिमटना बड़ी बात है। पार्टी में अंदरूनी कलह का ही नतीजा है कि सपा अपने गढ़ इटावा में भी हारी। यहां पार्टी की हार के कारणों में शिवपाल की नाराजगी भी मानी जा रही है। इटावा-फरूर्खाबाद सीट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को भाजपा की तुलना में काफी कम वोट मिले। डूबते जहाज के समान बनी सपा के सामने अब आए दिन नई-नई चुनौतियां आ रही हैं। पहले चाचा शिवपाल नाराज हुए और अब पूर्व मंत्री व रामपुर के विधायक मो. आजम खान नाराज बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि आजम के करीबी नेता शिवपाल के संपर्क में हैं और आने वाले समय में दोनों नेता एक खेमे में आ सकते हैं। वहीं सपा में निष्प्रयोज्य ही साबित कर दिए गए शिवपाल सिंह यादव के बेहतर प्रयोग पर विरोधी दल के रणनीतिकारों की नजर है। इस बीच आजम खान खेमे से उठे नाराजगी के स्वर चुगली कर रहे हैं कि अखिलेश अपनों के ही क्लेश में घिरते जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी के लिए चिंता की बात यह है कि दोनों ही नेताओं शिवपाल सिंह यादव और आजम खान का अच्छा प्रभाव उस मुस्लिम-यादव वोट बैंक पर माना जाता है, जो एमवाई फैक्टर साइकिल का सबसे बड़ा सहारा है। यदि मस्लिम और यादव वोट ही समाजवादी पार्टी से छिटक जाएंगे, तो आने वाले लोकभा चुनाव में सपा को भारी नुकसान हो सकता है। एक तरफ चुनावों में मिली हार, दूसरी ओर पार्टी में रार से सपा बिखरती जा रही है। उस पर पुराने समाजवादियों की अनदेखी के चलते पार्टी की और दुर्दशा हो रही है। अनदेखी से नाराज कई पुराने नेताओं ने या तो पार्टी से किनारा कर लिया है अथवा अपने को घरों में कैद कर लिया है। अखिलेश की कार्यशैली से आजम खान, शफीकुर्रहमान बर्क जैसे नेता ही नाराज नहीं हैं बल्कि परिवार में भी फूट पैदा हो चुकी है। चाचा शिवपाल यादव, बहू अपर्णा यादव के सपा से किनारा करने से अखिलेश की सबसे अधिक किरकिरी हो रही है। इस बीच समाजवादी पार्टी के अंदरखाने से खबर आ रही है कि पार्टी की गिरावट को कैसे रोका जाए, इसका पता लगाने के लिए सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव स्वयं मोर्चा संभाल सकते हैं। सपा के अंदर सबसे

अधिक बेचैनी पार्टी के संस्थापक शिवपाल सिंह यादव की पार्टी विरोधी सक्रियता को लेकर है। इसी वजह से सपा अपने पार्टी संरक्षक मुलायम सिंह यादव के जरिए नए सिरे से गोलबंदी शुरू कर सकती है। पुराने नेताओं व जनता तक मुलायम सिंह का संदेश पहुंचाने की रणनीति भी अपनाई जा रही है। दो दिन पहले मुलायम सिंह यादव का पार्टी कार्यालय में संबोधन इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इस रणनीति से पार्टी आगामी जुलाई माह में संभावित नगर निगम चुनावों में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराने का भी सपना पाले हुए है। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव को लेकर अभी दो खेमे बने हुए थे। ज्यादातर नेता अखिलेश यादव के साथ थे तो तमाम ऐसे भी थे जो खुद को मुलायमवादी बताते हुए शिवपाल सिंह के खेमे में खड़े थे। मुलायम भी गाहे-बगाहे शिवपाल की तारीफ करते हुए रहस्य बरकरार रखे थे, लेकिन अब यह सब बातें खत्म हो गई हैं।

गौरतलब है कि इससे पूर्व तक शिवपाल को मुलायम का बायां हाथ माना जाता था। इसीलिए शिवपाल यादव ने जब परिवर्तन रथयात्रा स्थगित की तो यही कहा गया कि उन्होंने खुद को नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के हवाले कर दिया है। मुलायम का हवाला देकर ही विधानसभा चुनाव में वे सपा खेमे में उतरे। अपने सहयोगियों को एक भी टिकट नहीं देने के बाद भी वह सपा के टिकट पर विधायक बने। लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद उपजे हालात ने इस तस्वीर को साफ कर दिया। शिवपाल सिंह ने आजम खां के बहाने मुलायम सिंह पर हमला बोला तो सपा शिवपाल के इस बयान को मुलायम सिंह विरोधी बता कर भुनाने में लग गई। अखिलेश ने मुलायम सिंह को पूरी तरह से अपने पाले में कर लिया। उधर, शिवपाल ने पार्टी के पुनर्गठन का ऐलान किया और फ्रंटल संगठनों की घोषणा की तो उसी दिन मुलायम सिंह यादव पार्टी कार्यालय में कार्यकताओं को संबोधित करने पहुंच गए। उन्होंने प्रदेश में सिर्फ दो पार्टी भाजपा और सपा होने का बयान दिया। सपा सूत्रों का कहना है कि यह घटनाक्रम संयोग मात्र नहीं है बल्कि सपा की सियासी रणनीति का हिस्सा है। अब पार्टी मुलायम सिंह यादव के संदेश को आम लोगों तक पहुंचाने में जुटी हुई है, मगर सवाल यही है कि मुलामय सिंह के कंधों पर चढ़कर सपा का कितना भला होगा या फिर नेताजी सपा को कितनी नई ऊर्जा प्रदान कर पाएंगे। क्योंकि मुलायम सिंह इस समय स्वास्थ्य समस्याओं से काफी घिरे हुए हैं। वैसे अखिलेश यादव ने अपने वाराणसी के दौरे के दौरान यह कह कर विरोधियों को पट करने की कोशिश की कोशिश जरूर की कि जेल से बाहर आते ही आजम खान हमारे साथ होंगे। दूसरी तरफ अखिलेश यादव भी अब पार्टी के नाराज नेताओं की चिंता छोड़कर योगी सरकार के खिलाफ हमलावर हो गए हैं। वह कानून व्यवस्था, चंदौली, बेरोजगारी, मंहगाई, बिजली कटौती आदि मुद्दों पर सरकार को घेरने में लगे हैं। अखिलेश मीडिया को बता रहे हैं कि उनकी (मीडिया) आवाज को भी दबाया जा रहा है। पत्रकारों पर फर्जी मुकदमें दर्ज हो रहे हैं।

ज्ञानवापी मामले में अदालत को अपना काम करने देना चाहिए, नेता विवाद में कूदेंगे तो तनाव बढ़ेगा

धर्म और राजनीति दो अलग-अलग विषय हैं। धर्म से हमें संस्कार मिलते हैं तो राजनीति से देश आगे बढ़ता है, लेकिन देश का यह दुर्भाग्य है कि यहां धर्म और राजनीति को एक ही तराजू पर तौला जाता है। इसी लिए यहां अक्सर ही जाति-धर्म के नाम पर नफरत के बीज बोए जाते हैं। इसीलिए तो अयोध्या के बाद अब काशी और मथुरा का विवाद गरमाया हुआ है। अयोध्या की तरह काशी-मथुरा का विवाद भी मंदिर-मस्जिद से ही जुड़ा है और कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दोनों ही जगह समय-समय पर मंदिर-मस्जिद से जुड़े लोगों के बीच टकराव जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। हालिया विवाद वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर से लगी ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर गहराया हुआ है। वैसे तो ज्ञानवापी मस्जिद काफी समय से विवादित रही है, लेकिन जब से वाराणसी की एक सिविल कोर्ट ने ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर के कुछ इलाकों के सर्वेक्षण का आदेश दिया है, तब से यह विवाद सड़क पर आ गया है और इसमें नेता नगरी के लोग भी कूद पड़े हैं।

गत शुक्रवार को ज्ञानवापी मस्जिद के पास उस समय हालात बेकाबू हो गए जब बड़ी संख्या में लोग यहां नमाज पढ़ने पहुंच गए। भीड़ का आलम यह था कि ज्ञानवापी मस्जिद के आसपास की सड़कें कथित नमाजियों से पट गईं। कथित इसलिए क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में यहां कभी ईद पर भी इतनी बड़ी संख्या में नमाजियों का हुजूम नहीं देखा गया था। इसलिए यह माना जा रहा है कि यह भीड़ इसलिए जुटी थी क्योंकि उसी समय कोर्ट के आदेश पर टीम सर्वेक्षण करने के लिए आने वाली थी और इस सर्वेक्षण टीम का विरोध करने की घोषणा ज्ञानवापी मस्जिद की देखभाल करने वाली अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने भी की थी। यह लोग लगातार नारेबाजी कर रहे थे। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है, जब मुस्लिम जुटे तो दूसरे पक्ष से हर-हर महादेव का उद्घोष होने लगा। पुलिस को साधुवाद देना चाहिए जो उसने दोनों ही पक्षों के लोगों को समझा-बुझा कर वहां से हटा दिया, लेकिन इससे इतर ऐसे लोग भी जुटे हुए हैं जो नहीं चाहते हैं कि मंदिर-मस्जिद का विवाद आसानी से सुलझ जाए। इसीलिए दिल्ली से लेकर हैदराबाद तक के भाईजान भी इस लड़ाई में अपनी सियासत चमकाने में जुट गए हैं।

विवाद उत्तर प्रदेश का है, अदालत में सुनवाई चल रही है, लेकिन इस विवाद में आग में घी डालने जैसा काम हैदराबादी ओवैसी कर रहे हैं, जिन्हें विधान सभा चुनाव में यूपी की जनता ने पूरी तरह से रिजेक्ट कर दिया था। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन के प्रमुख असद्दुदीन ओवैसी भी इस विवाद में कूद गए हैं। औवेसी ने एक ट्विट करके कहा कि सिविल कोर्ट वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे का आदेश रथ यात्रा के रक्तपात और 1980-1990 के दशक की मुस्लिम विरोधी हिंसा का रास्ता खोल रहा है। वाराणसी की अदालत के आदेश की निंदा करते हुए असद्दुदीन ओवैसी ने अपने ट्वीट में कहा, ह्यकाशी की ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने का यह आदेश 1991 के पूजा स्थल अधिनियम का खुला उल्लंघन है, जो धार्मिक स्थलों के रूपांतरण पर रोक लगाता है। असद्दुदीन ओवैसी ने कहा, ह्यअयोध्या के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अधिनियम भारतीय राजनीति की धर्मनिरपेक्ष विशेषताओं की रक्षा करता है जो संविधान की बुनियादी विशेषताओं में से एक है ह्ल असद्दुदीन ओवैसी का बयान अदालत के एक आयुक्त के वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद में अदालत के आदेश के अनुसार परिसर का सर्वेक्षण और वीडियोग्राफी करने के एक दिन बाद आया है।

गौरतलब है कि वैसे तो यह विवाद काफी पुराना है। कहा जाता है कि मुस्लिम बादशाह औरंगजेब ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के एक हिस्से को तोड़कर वहां मस्जिद बनवा दी थी, लेकिन यह बात मुस्लिम लोगों ने कभी स्वीकार नहीं की। बहरहाल, हाल ही में यह विवाद तब सुर्खियां बटोरने लगा जब दिल्ली की राखी सिंह, लक्ष्मी देवी, सीता साहू और अन्य ने वाराणसी की एक सिविल कोर्ट में एक याचिका दायर कर ज्ञानवापी मस्जिद की बाहरी दीवार पर स्थित श्रृंगार गौरी, भगवान गणेश, भगवान हनुमान और नंदी में दैनिक पूजा और अनुष्ठान करने की अनुमति मांगी थी। उन्होंने 18 अप्रैल, 2021 को अपनी याचिका के साथ अदालत का रुख किया था। याचिका पर सुनवाई के बाद वाराणसी के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने श्री काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद परिसर और अन्य स्थानों पर ईद के बाद और 10 मई से पहले श्रृंगार गौरी मंदिर की वीडियोग्राफी करने का आदेश दिया। इसी आदेशानुसार सर्वेक्षण टीम ने 6 मई और 7 मई को मस्जिद के परिसर के अंदर की वीडियोग्राफी और सर्वेक्षण किए जाने की बात कही गई थी।

इसी क्रम में शुक्रवार 6 मई को दोपहर बाद तीन बजे श्री काशी विश्वनाथ धाम परिसर स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के आसपास उस समय हलचल बढ़ गई जब कोर्ट कमिश्नर की अगुवाई में दोनों पक्षकार और उनके साथ अधिवक्ता धाम के मुख्य प्रवेश द्वार (गेट संख्या चार) से प्रवेश करते हुए मस्जिद के पश्चिम पहुंचे। इस बीच पुलिस ने किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए सतर्कता दिखाते हुए ज्ञानवापी के चारों ओर बड़ी संख्या में सुरक्षा के लिए जवान तैनात कर दिए। मुख्य द्वार से श्रद्धालुओं का प्रवेश बंद कर दिया गया था। पहले से मौजूद विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक डॉ. सुनील कुमार वर्मा और डीएम के प्रतिनिधि के रूप में पहुंचे एडीएम सिटी गुलाब चंद्र ने सर्वे शुरू कराया। कोर्ट कमिश्नर ने दो साथी अधिवक्ताओं के साथ सर्वे शुरू किया जो करीब तीन घंटे तक अनवरत जारी रहा। कमीशन की कार्रवाई के दौरान गेट के बाहर काफी गहमागहमी रही। दोनों पक्षों के लोगों का जमावड़ा लगा रहा। उधर, ज्ञानवापी प्रकरण में विपक्षी अंजुमन मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अधिवक्ता अभयनाथ यादव कह रहे थे कि हम कोर्ट कमिश्नर की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। कोर्ट में उन्हें बदलने की अर्जी देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट कमिश्नर एक-एक चीज को ऊंगली से कुरेद रहे थे जबकि कोर्ट का किसी चीज को कुरेदने या खोदने का आदेश नहीं है। इसलिए इस कार्रवाई से मैं संतुष्ट नहीं हूं। अधिवक्ता ने बताया कि श्रृंगार गौरी के चबूतरे के सर्वे के बाद कोर्ट कमिश्नर ने ज्ञानवापी मस्जिद के प्रवेश द्वार को खुलवा कर अंदर जाने का प्रयास किया। इसका हमने विरोध दर्ज करवाया। अधिवक्ता ने कहा, 'कोर्ट का ऐसा कोई आदेश नहीं है कि बैरिकेडिंग के अंदर जाकर आप उसकी वीडियोग्राफी करें लेकिन कमिश्नर ने कहा कि मुझे ताला खोलवा कर अंदर वीडियोग्राफी कराने का आदेश है।' इसी के बाद ज्ञानवापी मस्जिद पक्षकार कोर्ट कमिश्नर को हटाए जाने की मांग को लेकर कोर्ट पहुंच गए। इस पर अदालत ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत ने यह जरूर कहा कि सर्वे यदि निष्पक्ष नहीं होता है तो दोनों पक्षकार कोर्ट में अपनी बात रख सकते हैं। यह और बात है कि कोर्ट के इस आदेश पर भी मुस्लिम पक्षकार व्यवधान खड़ा करते दिखे और सर्वे टीम को मस्जिद के अंदर नहीं आने दिया।

केरल के कम्युनिस्टों का विचित्रसाम्यवाद !

केरल में वर्तमान में कम्युनिस्टदल की सरकार है । 1956 में भारतीय संघराज्य का केरल यहस्वतंत्र राज्य अस्तित्व में आया और 1957 में केरल में पहली लोकतांत्रिक सरकार कम्युनिस्ट दल की बनी। आज राज्य निर्मिति के 65वर्षों के उपरांत 'कम्युनिस्ट'केरल का मार्गक्रमण कैसा हो रहाहै, यहबतानेवाला यात्रा का अनुभव...

केरल के कम्युनिस्टों के प्रेरणास्रोतकौन ?- केरल में 'मार्क्सवादी कम्युनिस्ट दल' का राज्य है । नाम के अनुसार हीदल की प्रेरणा 'कार्लमार्क्स' है। हमारे देश में लोकतंत्र है और निर्वाचन द्वारा राजनीतिक दल सत्तारूढ होते हैं । संपूर्णसंसार के कम्युनिस्टों काइतिहास देखने पर वे निर्वाचनोंका सामना नहीं करते । 'किसान और परिश्रम करनेवालों केरक्तरंजित विद्रोह से सत्ताका मार्ग निकलता है',इसकम्युनिस्ट तत्त्वज्ञान पर उनकी श्रद्धा होती है । इसलिए 1957 तकसंसार की एक भी कम्युनिस्टसरकार निर्वाचन में विजयीहोने के उपरांत सत्तारूढ नहींहुई थी; परंतुकेरल में 1957 मेंवहां की पहली विधानसभा केनिर्वाचन में कम्युनिस्ट दलविजयी होकर सत्तारूढ हुआ ।केरल में इस दल की विशेषताएंहैं वहां के स्थानीय नेता अथवादल के राष्ट्रीय नेताओं कीछवि उनकी प्रसार सामग्रीअर्थात बैनर्स-पोस्टर्सपर नहीं होती । कांग्रेस कीप्रचार सामग्री पर गांधीजीसे लेकर राहुल गांधी तक सबकेछायाचित्र दिखाई देते हैं ।भाजपा की सामग्री पर भी अटलजीसे लेकर अमित शहा तक सबकेछायाचित्र होते हैं । इसपृष्ठभूमि पर केरल के कम्युनिस्टोंकी पृथकता अधोरेखित होती है। उनकी प्रचार सामग्री परसंपूर्ण संसार के कम्युनिस्टक्रांति करनेवाले तीन नेताओंके चित्र होते हैं । पहला चित्रअजेर्टीना के कम्युनिस्टक्रांति के युवानेता 'चेगवारा' केविविध पोस्टर्स का है ।दूसरा चित्र रंग से पोती गई दीवारका है । उस पर 'कार्लमार्क्स', 'फेड्रिकएंगल' और 'व्लादिमिरलेनिन' केएकत्रित छायाचित्र हैं । ऐसे पोस्टर्स और पोती गई दीवारें को चीन-एनार्कुलमनगर में सर्वत्र दिखाई देते हैं तथा उनके साथ ही दिखाई देते हैं मार्ग के पथदीपकोंऔर विद्युतवाहिनियों के स्तंभों पर लगे कम्युनिस्टपार्टी के हंसिया-हथोडेके चिन्हवाले झंडे ! संक्षेप में स्वतंत्रता के 75वर्षों के उपरांत भी राष्ट्रीय विज्ञापन के लिए कम्युनिस्ट दल को नेता के रूप में

आदर्श व्यक्तित्व नहीं मिला है । इसीलिए विदेश के जर्मनी-रशिया-अर्जेंटीना के नेताओं के चित्र लगाने में वह आज भी धन्यता मानता है। दुर्भाग्यवश यह अराष्ट्रीयता है ।

'गल्फमनी' यहबडा आर्थिकस्रोत !- भारत की कुल बेरोजगारी दर की अपेक्षा केरल की बेरोजगारी दर अत्यधिक है ।यद्यपि वहां साक्षरता 100 प्रतिशत है, तथापि उद्योग धंधे अत्यल्प हैं;क्योंकि कोई उद्योग प्रारंभ होते ही वहां तुरंत कम्युनिस्ट दल केनाम के यूनियन के झंडे लग जाते हैं । 'कामकम और मांगे अधिक' ऐसी उनकी गुंडागर्दी होती है ।ऐसी स्थिति में उद्योग खडे नहीं होते । इसलिए शिक्षित केरलवासियों को नौकरियांनहीं मिलतीं । अधिकांश शिक्षित केरली लोग खाडी (गल्फ)देशोंमें नौकरियां स्वीकारते हैं। खाडी देशों में केरली लोगप्रमुखता से परिचारिका (नर्स), वाहनचालक(ड्रायव्हर), तंत्रज्ञ (टेक्निकलस्किल्ड लेबर) आदिकाम करते हैं । उनकी विदेशयात्रा सरल होने के लिए छोटेसे केरल में 4 अंतरराष्ट्रीयहवाईअड्डे हैं । आज 35लाखकेरली लोग खाडी देशों में रहतेहैं । उनके कारण विदेशी आयकेरल राज्य को मिलती है औरवहां की अर्थव्यवस्था चलती है । उद्योगधंधे बडी मात्रा में न होकर भी विदेशी आय के भरोसे केरल राज्य की अर्थव्यवस्था बनी हुई है । उसमें केरल के कम्युनिस्टों का योगदान शून्य है ।

नीलेवस्त्रों के कुलियों कीगुंडागर्दी !- कोचीन-एनार्कुलमनगर में सर्वत्र नीले वस्त्रपरिधान किए हुए कुली दिखाईदेते हैं । इन लोगों को 'नोक्कूकुली' कहतेहैं । किसी भी व्यापारी वाहन का सामान उतारना हो, तो उन्हें बुलाना पडता है । हम स्वयं उतारनेवाले हों,तबभी उनको उनका मूल्य देना पडता है । मालिक उन्हें देखे,तब भी उनका मूल्य वे जो मांगेगे,वह देने की 'कम्युनिस्ट'कुप्रथा वहां है । अनेक सुशिक्षित युवकों की टोली नीले रंग के कुली के वस्त्र परिधान कर शहर में घूमती रहती है और पैसे वसूल करती रहती है । कम्युनिस्टदल का समर्थन होने के कारण कोई उनका विरोध नहीं करता ।कम्युनिस्टों का राज्य कैसा होता है, इसका यह ज्वलंत उदाहरण है ।

केरलमें कम्युनिस्टों का एकाधिकार !- केरल के अधिकांश हिन्दू कम्युनिस्टदल को मत देते हैं । एक सामान्यघर के हिन्दू मतदाता से मैंनेपूछा, आपकम्युनिस्ट दल को मत क्योंदेते हैं ? उसनेबताया कि, मृत्युके पश्चात यहां कंधा देनेके लिए लोग नहीं होते । अंतिमसंस्कार कौन करेगा, यह प्रश्न होता है । ऐसे समयकिसी के घर में मृत्यु होनेपर स्थानीय कम्युनिस्ट दल के कार्यालय से अर्थी और अंतिमसंस्कार की सामग्री आती है । दल के कार्यकर्ता स्वयं कंधा देकर श्मशान भूमि तक पहुंचाते हैं। ऐसा और कौन करता है ? उसके प्रश्न का उत्तर मेरे पास नहीं था । केरल के हिन्दू स्वयं को श्मशानभूमि तक ले जाने के लिए कम्युनिस्ट दल को मत देते हैं, इतना उनके बोलने से ज्ञात हुआ ।

यह सच है कि खूबसूरती ईश्वर की देन है, पर उसे उभारना भी है एक कला। किस तरह का मेकअप आपको सूट करेगा, इसके लिए जरूरी है चेहरे के आकार को समझना

अब मिनटों में करें मेकअप

फाउंडेशन आपकी स्किन टोन से एकदम मेल खाता हुआ होना चाहिए। अधिक गहरा या अधिक हलका आपके कॉम्प्लेक्शन को खराब कर सकता है। साथ ही अच्छी तरह ब्लेंड होना भी जरूरी है। चेहरे पर ग्लो लाने के लिए फाउंडेशन लगाने से पहले शिमर मॉयस्चराइजर लगाएं। या फिर थोड़ा सा शिमर पाउडर मॉयस्चराइजर में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर फाउंडेशन लगाएं।

कंसीलर- पर्याप्त नींद न ले पाने, धूम्रपान अधिक करने और एनीमिक होने के कारण आंखों के आसपास काले घरे हो जाते हैं। इन्हें छिपाने के लिए कंसीलर का प्रयोग करें। यह चेहरे के किसी भी दोष को छिपाने में मदद करता है। अपनी अंगुली के पोर पर हलका सा कंसीलर लेकर चेहरे पर लगाएं। या फिर किसी मुलायम फ्लैट ब्रश पर लें और प्रभावित स्थान पर अच्छी तरह लगाएं।

अगर आपकी त्वचा रूखी है, तो आपको लिक्विड कंसीलर इस्तेमाल करना चाहिए।

एक्ने और दाग-धब्बों को छिपाने के लिए सॉलिड कंसीलर ठीक रहता है। अगर आप लिक्विड या क्त्रीम बेस्ड फाउंडेशन प्रयोग कर रही हैं तो फाउंडेशन के बाद कंसीलर लगाएं। क्त्रीम टू पाउडर फाउंडेशन लगाने पर कंसीलर पहले लगाएं। अपनी त्वचा के रंग से हलका शेड कभी न चुनें। ऐसा करने पर आपका रंग दबा हुआ लेगगा। इस बात का ध्यान रखें कि कंसीलर बहुत ज्यादा न लगाएं। आपको चेहरे पर हलका टिंट देना देना है न कि मास्क लगाना है। कंसीलर के बाद ट्रास्लूसेंट पाउडर से डस्टिंग करना न भूलें।

ट्रिक्स - कंसीलर सा फाउंडेशन में येलो आईशैडो मिलाकर आंखों के काले घेरों को छिपाने के लिए इस्तेमाल करें। इसी तरह त्वचा की लकीरों को छिपाने के लिए अपने फाउंडेशन या कंसीलर में ब्ल्यू या ग्रीन आईशैडो मिलाएं। झाईयों को छिपाने के लिए पिंक आइशैडो कंसीलर से पहले लगाएं।

कॉम्पेक्ट पाउडर - चेहरे की जरूरत से अधिक चमक को कम करने के लिए लूज पाउडर का इस्तेमाल करें। ऐसा कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदें, जो त्वचा से मेल खाए और उसमें समा जाए। इसे बडे ब्रश से आहिस्ता से लगाएं।

उपाय- फाउंडेशन लगाने के बाद अपने चेहरे पर एक टिश्यू पेपर रखकर हलका सा दबाएं ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल या पसीना हट जाए। इसके बाद पाउडर लगाएं।

आजमाएं- लोरियल आइडियल बैलेंस कॉम्पैक्ट ब्लश -यह आपके चेहरे के उभार को आकर्षक बनाने में मदद करता है। रात के मेकअप में खास तौर पर इसका प्रयोग जरूर करें। ब्लश लगाने के बाद अगर आपको मेकअप अधिक गहरा लगे तो टेंशन न लें। एक स्पॉन्ज से थपथपाकर कम कर दें।

आजमाएं- मेबलिन एक्सपर्ट वेयर ब्लश या मैक क्त्रीम ब्लश।

होंठ - लिप कलर हमेशा स्किन टोन, बाल और आखों केरंग से मेल खाना चाहिए। रात में ड्रामेटिक इफेक्ट देने के लिए गहरे लिप शेड्स का प्रयोग करें। जबकि दिन में टिंटेड या क्लियर लिप ग्लॉस इस्तेमाल करें।

उपाय- अपनी पसंद की लिपस्टिक शेड खुद बनाएं। लिपस्टिक के ऊपर स्पार्क्लिंग आईशैडो लगाएं या फिर थोडी सी वैसलीन के साथ मनपसंद आइशैडो मिलाकर एक नया शेड बनाएं। अगर आपके पास लिपस्टिक को ढंग से लगाने का समय नहीं होता तो रात में सोने से पहले होंठों पर नैचरल शेड की लिपिस्टिक लगाएं। और सुबह चेहरा साफ करके लिप ग्लॉस लगाएं। जल्दी में कभी भी लिपलाइन न बनाएं। लिपलाइन बनाने से होंठ प्रॉमिनेंट नजर आते हैं, लेकिन जल्दीबाजी में सही शेप न बन पाने से होंठों का लुक खराब लगेगा।

आजमाएं- रेवलॉन की रेड अर्थ, मेबलिन कॉपर शेड, लक्मे मेटैलिक शेड

आंखें - आंखों में काजल पेंसिल से बीच से बाहरी कोनों तक एक लाइन खींचें। आइलाइनर आप जैसा चाहें लगा सकती हैं। मेकअप में आंखों का मेकअप सबसे महत्वपूर्ण होता है। आइलाइनर पतला और स्ट्रेट लाइन में लगाएं। समय कम हो तो सिर्फ ट्रासपेरेंट मस्कारा नीचे और ऊपर दोनों आईलैश पर लगाएं। दिन में हलका आई मेकअप करें, रात में थोड़ा गहरा। रात में ब्रो बोन में शिमरिंग हाइलाइटर लगाने से आखें बेहद खूबसूरत लगती हैं। आजकल मिनिमल लुक चलन में है। इसलिए मिनटों में मेकअप करना आसान हो गया है। अगर आपने आंखों पर खास ध्यान दिया है तो होंठों के लिए ग्लिटरी लिप ग्लॉस ही काफी है। अगर होंठों पर गहरा मेकअप किया है तो आखों में हलका काजल और मस्कारा ही लगाएं।

उपाय- आंखों को खूबसूरत दिखाने के लिए आइलाइनर से पतली लाइन खींचें, फिर आईशैडो के साथ ब्लेंड कर दें। लोअर आईलैशेज पर ब्राउन या गोल्डेन आई पेंसिल से हलकी रेखा जरूर खींचें।

आजमाएं- मैक का फ्लूइड आइलाइनर, मेबलिन ट्रासपेरेंट मस्कारा या मैरी के का एक्स्ट्रा वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा

मस्कारा - अपनी आइलैशेज के लिए परफेक्ट मस्कारा चुनें और उसे हमेशा अपने साथ रखें। चाहे आपको ग्लैमर लुक देना हो या गर्ल नेक्स्ट डोर लुक, मस्कारा हर लुक के लिए जरूरी है। अपने लिए मस्कारा चुनने से पहले कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें -

अगर आपकी आइलैशेज बहुत छोटी हैं तो लाइटनिंग मस्कारा चुनें। अगर आइलैशेज काफी पतली और हलकी हैं तो ऐसा मस्कारा चुनें जो उन्हें वॉल्यूम दे। यानी वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा। अगर आपकी आईलैशेज लंबी और घनी हैं तो आप किस्मत वाली हैं, लेकिन इन्हें और आकर्षक बनाने के लिए आपको कर्लिंग मस्कारा चुनना चाहिए।

उपाय- मस्कारा लगाने पर एक जगह जमा न हो जाए, इसके लिए पहला कोट पतला लगाएं। अगर फिर भी लैशेज पर मोटा-मोटा जम जाए तो आइलैशेज कोम्ब से आहिस्ता से कंघी करके लैशेज को अलग-अलग कर लें।

जब आप अपने लिए परफेक्ट मस्कारा चुन लें, फिर कलर्ड मस्कारा भी लगा सकती हैं। अपने कॉम्प्लेक्शन के मुताबिक कलर्ड मस्कारा भी आजमा सकती हैं। ब्लैक एंड ब्राउन मस्कारा हर अवसर के लिए मुफीद होता है और यह आपके परिधानों के साथ मेल भी खाता है।

आजमाएं- मेबेलिन लैश स्टाइलिश मस्कारा लोरियल पेरिस वॉल्यूम शॉकिंग मस्कारा

आप स्विमिंग की योजना बनाती हैं या खुशी के अवसर पर आपके आंसू निकल जाते हैं, आप जल्दी भावविभोर होकर रोने लगती हैं तो बेहतर होगा कि आप वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं। यह तीन रंगों में आसानी से उपलब्ध है-ब्लैक, ब्राउन और ब्ल्यू।

आप चाहें तो कर्लर से आखें कर्ल भी कर सकती हैं।

टैटूज का मतलब अलग लोगों के लिये अलग होता है कुछ लोग अनूठेपन के स्टेटमेंट के लिये टैटू चुनते हैं जबकि कुछ लोगों के लिये टैटू या क्लॉन को सिम्बॉलाइज़ करता है।

कितने प्रकार के टैटू

एमेच्योर टैटूज

ये शुरूआती टैटूज हैं जो अपने नेचर में क्रूड होते हैं क्योंकि ये ऐसे व्यक्ति द्वारा बनाये जाते हैं जिसे स्पेशलाईज्ड एक्सपीरियंस नहीं होता। ये टैटूज एस्थेटिक नेचर के नहीं होते और अस्वच्छ दशाओं में डाईंग के लिये इस्तेमाल होने वाले असामान्य तत्वों द्वारा बनाये जाते हैं। इनसे इंफेक्शन का खतरा काफी अधिक होता है क्योंकि इन्हें बनाने वाले प्रोफेशनल नहीं होते।

कल्चरल या धार्मिक टैटूज

कुछ एथनिक ग्रुप्स के टैटूज का छुपा हुआ अर्थ होता है। ये किसी नेटिव ग्रुप में रैंक और एचिवमेंट्स को सिम्बलाइज करते हैं। इनको बनाने की पारंपरिक विधिया काम में लाई जाती हैं।

प्रोफेशनल टैटूज

ये टैटूज ऐसे लोगों द्वारा बनाये जाते हैं जिनको बनाने वाले प्रोफेशनल्स टैटूइंग में स्पेशलाइज्ड होते हैं। नीडिल्स वाली एक टैटू मशीन त्वचा को पंक्चर करती है और रंग को त्वचा लेयर के अंदर डालती है।

कॉस्मेटिक टैटूज

टैटूज को मेकअप के रूप में बालों की इमिटेटिंग फीचर्स को उभारने में जैसे कि लिप्स (लिप लाइनर्स) या आखें (आईब्रोज, आई लाइनर) और यहा तक कि मोल्स के लिये भी किया जाता है। त्वचा के डिस्कलरेशन को टैटू बनवाकर छिपाया जा सकता है।

मेडिकल टैटूज

ऐसा टैटू बनवाने वाले किसी इमर्जेन्सी के समय किसी खास मेडिकल कंडीशन या ब्लड ग्रुप की किस्म के संकेत के लिये इसे बनवाते हैं। ब्रेस्ट रिकास्ट्रक्शन के कुछ रूपों में टैटू का उपयोग एरोला बनाने के लिये किया जा सकता है।

ट्रॉमाटिक टैटूज

ये टैटूज जानबूझकर नहीं बनवाये जाते बल्कि किसी एक्सीडेंट के दौरान शरीर में कोई बाहरी चीज धंस जाने से बनते हैं। उदाहरण के लिये पेंसिल अनायास चुभने पर त्वचा लेयर के नीचे ग्रेफाईट रह सकती है जो काले बिंदु के रूप में दिखती है।

व्यक्तित्व में निखार लाएं मोती जैसे दांत

दांत खाना खाने के लिए तो जरूरी है ही, मोहक, प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। कुछ लोग यूं तो बहुत खूबसूरत होते हैं, लेकिन मुंह खोलते ही उनका आकर्षण खत्म हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ मनाली के साथ। उसके हाथ से मॉडलिंग का अवसर सिर्फ इसलिए छूट गया, क्योंकि उसके दांत छोटे-बड़े हैं और पीले भी पड़ गए हैं। ऐसा कुछ आपके साथ न हो, इसलिए शुरू से ही दांतों की उचित देखभाल जरूरी है।

जब बच्चों के दांत उग आएं, तभी से सुबह व रात में सोते समय ब्रश की आदत डाल देनी चाहिए। खाते समय भोजन के कण दांतों के बीच फंस जाते है, जो ब्रश करने से निकल जाते है। यदि इन्हे न निकाला जाए तो ये सड़ने लगते हैं, जिससे दांतों में सड़न और कैविटी पैदा हो जाती है। इस कारण दांतों में तेज दर्द हो सकता है व असमय दांत टूट सकते है। लोग सोचते है दूध केदांत तो टूट जाते है। इतनी देखभाल क्यों करे? दूध के सभी दांत एक साथ नहीं टूटते। एक-एककर टूटते जाते हैं और उनकी जगह नए दांत आते-जाते हैं। अगर कोई पुराना सड़ा हुआ हो तो वह नए दांत को भी सड़ा सकता है।

जरूरी है दांतों की सफाई

बच्चों को टॉफियां खासतौर से पसंद होती है। ध्यान रखें कि कुछ भी मीठा खाने के बाद बच्चे कुल्ला जरूर करें। कुछ लोग समझते हैं कि टूथपेस्ट का अधिक इस्तेमाल करने से दांत ठीक से साफ होते है। ऐसा नहीं है, बल्कि अधिक टूथपेस्ट दांतों की ऊपरी सुरक्षा परत इनामेल को नुकसान पहुंचा सकता है। सामान्यतया ऐसे टूथपेस्ट का उपयोग करना चाहिए जिसमें फ्लोरीन हो। फ्लोरीन हड्डियों में पाया जाने वाला एक तत्व है। यह दांतों को मजबूत बनाता है। लेकिन ज्यादा फ्लोरीन भी दांतों को पीला और खराब कर सकता है। इस बीमारी को फ्लोरोसिस कहते है। जिस क्षेत्र के पानी में फ्लोरीन की मात्रा अधिक हो, वहां के लोगों को फ्लोरीन वाले टूथपेस्ट से बचना चाहिए।

विटामिंस का करें भरपूर उपयोग

दांतों के साथ मसूड़ों की देखभाल भी जरूरी है। ब्रश के बाद मसूड़ों की उंगलियों से हलकी - हलकी मालिश करें। कुछ बीमारियों के बाद मसूड़े ढीले पड़ जाते हैं और दांत हिलने लगते है। कभी-कभी मसूड़ों में छाले भी पड़ जाते है। ऐसे में भोजन में नमक-मिर्च आदि का उपयोग कम करे, क्योंकि उनसे जलन होती है। साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि दांतों पर कोई आघात न पहुंचे क्योंकि उस समय ये टूट सकते है। खाने में विटमिन बी कॉम्प्लेक्स व विटामिन सी का भरपूर प्रयोग करे और डॉक्टर की सलाह का पालन करे ताकि आपके मसूड़े जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं। विटामिन सी आंवला, संतरा, मौसमी, टमाटर, साग-सब्जियों में मिलता है। इसका नियमित सेवन आपको स्कर्वी और पायरिया से दूर रखेगा। पायरिया मसूड़ों की बीमारी है जो एंट अमीबा जिंजिवेलिस नाम के कीटाणु से होती है। इसमें मुंह से दुर्गंध तथा मसूड़ों से खून आने की शिकायत होती है। पायरिया होने पर डॉक्टर के परामर्श का पालन करे। दवाओं के साथ-साथ हाइड्रोजन-पर-ऑक्साइड से कुल्ला करना भी लाभदायक हो सकता है।

दूर करें कैविटी

दांत अगर सड़ जाएं और उसमें कैविटी बनने लगे तो कैविटी को भरवाया जा सकता है। इससे पहले दांत को अच्छी तरह से साफ व कीटाणुमुक्त करना पड़ता है। ताकि कैविटी भरने के बाद अंदर कोई कीटाणु न रह जाए और दांत को फिर से सड़ने से बचाया जा सके। ज्यादा सड़े या जड़ों से कमजोर दांतों को निकलवाकर उनकी जगह नकली दांत या नए दांतों का सेट लगवाया जा सकता है।

दांतों का सौंदर्य बढ़ाएं

दांत पीले पड़ गए हों या दो दांतों के बीच अधिक दूरी हो, दांत छोटे-बड़े या बाहर की ओर निकले हों तो इससे भी चेहरे के सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में डेंटिस्ट से अवश्य मिलें। डेंटिस्ट की सलाह पर पीले दांतों की सफाई करवाएं। बाहर की ओर निकले या दूरी वाले दांतों पर कुछ दिनों के लिए क्लिप लगवाएं। बड़े दांतों को घिसवा सकती है। छोटे दांतों में नीचे से दांतों जैसा दिखने वाला पदार्थ जोड़कर उन्हे समान आकार का बनवाया जा सकता है।

आकर्षक मुस्कान के लिए

सौंदर्य विशेषज्ञा डॉ. ब्लॉसम कोचर के मुताबिक, आपके चेहरे की कंप्लीट स्माइल मेकओवर भी की जा सकती है। इसमें आपके चेहरे के आकार को देखकर ये आकलन किया जाता है कि इस पर कैसी मुस्कान और दांत अच्छे लगेंगे। फिर उसके अनुसार हम बेहतर मुस्कान का अभ्यास कराते है। स्माइल मेकओवर क्लासेस में हंसने के तरीके के साथ ही चेहरे के हाव-भाव के बारे में भी बताया जाता है। ताकि हंसते समय आपके चेहरे का प्रभाव दूसरे पर अच्छा हो।

चेहरे के आकार को देखकर हम यह अनुमान लगाने की कोशिश करते है कि आप पर कैसे दांत व कैसी मुस्कान अच्छी लगेगी। फिर असली दांतों का आकार बदला जाता है व जरूरत पड़ी तो नकली दांत लगा दिया जाता है। दांतों का पूरा सेटअप बदलने के साथ यह बताया जाता है कि आपके लिए किस तरह हंसना ठीक रहेगा। हालांकि यह मौके पर निर्भर करता है। यानी मनचाही मुस्कान जिसमें सब कुछ आकर्षक हो, वैसा हो, जैसा आप चाहे, हासिल की जा सकती है। एक प्यारी सी मुस्कान कई अनकही बातें कह जाती है और कई दिल जीत लेती है। आप इन बातों का ख्याल रख सकें तो चमचमाते दांत आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएंगे और हर कोई कहेगा-स्माइल प्लीज।

सरगुजा अंचल के आय सदरी बोली

सदरी बोली छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला के राजपुर पूर्वी अंचल के शंकरगढ़ अउ कुसमी विकासखंड में अउ जशपुर जिला के संपर्क भाषा आय। येहू बात देखे ल मिलथे कि चाय बगान आसाम में काम के तलास में गे छत्तीसगढ़िया मन घलो इही सदरी बोली के ही उपयोग करथें। अब तो उहां के संपर्क म भाषा म येहा शामिल होगे हे। प्रमुख रूप से येला आदिवासी अंचल के बोली केहे जा सकत हे।

सदरी बोली ल सांदो ज, पुरिहा कोरबा अउ छोटे नागपुरी नाव ले घलो जाने जाथे। सदरी बोली छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला के राजपुर पूर्वी अंचल के शंकरगढ़ अउ कुसमी विकासखंड में अउ जशपुर जिला के संपर्क भाषा आय। सरगुजा समूह के रियासत (सरगुजा, चांगभखार, कोरिया, जशपुर अउ धरमजयगढ़) में जनजाति मन के बहुलता हे। सदरी बोली ह छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग (सरगुजा, जशपुर) ले लेके पश्चिम बंगाल में चोबीस परगना तक बगरे हे। येहू बात देखे ल मिलथे कि चाय बगान आसाम में काम के तलास में गे छत्तीसगढ़िया मन घलो इही सदरी बोली के ही उपयोग करथें। अब तो उहां के संपर्क म भाषा म येहा शामिल होगे हे। प्रमुख रूप से येला आदिवासी अंचल के बोली केहे जा सकत हे। ऐ बोली के विस्तार जलपाईगुड़ी आसाम के चाय बगान से लेके उड़ीसा के सीमा तक ले बगरे हे। येकरे संग ऐ बोली ल गवारी, नागपुरिहा, नागपुरी अउ नागपुरिया हिन्दी नाव ले घलो जाने जाथे। सांदो या सदरी शब्द के अर्थ के संबंध में कतको अपन अपन ढंग ले विचार व्यक्त करे हवयं। वइसे मुख्य रूप ले ऐ बोली ल छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला के राजपुर के पूर्वी भाग शंकरगढ़ अउ कुसमी विकासखंड में अउ जशपुर जिला के लोगन मन के संपर्क भाषा आय।

भाषा वैज्ञानिक मन के मत

ग्रियर्सन ह येला भोजपुरी के उपबोली माने हवय। सदरी बोली ल कभु कभु मगही, कभु पश्चिम मागधी में वर्गीकरण करे हे। असुर, बिझिया, खड़िया, खेरवार, किसान, कोरवा,मुंडा, नगेसिया उरांव, मन घलो सदरी बोली बोलथें। रांची अउ उंकर तीर-तखार जेन बोली बोले जाथे वोहा भोजपुरी के अपेक्षा छत्तीसगढ़ बोली के तीर म हे। येहू ल वोमन छत्तीसगढ़ी के उपबोली के दर्जा दे हवयं। सांदों, सदरी, जशपुरिहा जेहा नागपुरिहा घलो कहाथे, वोला छत्तीसगढ़ी के उत्तरी रूप सरगुजिहा के विस्तार माने जाथे। येला केहे के मतलब ऐ हे कि येहा सरगुजिहा के वो रूप ले हवय जेन ला कोरवा जाति मन हा बोलथे तेनहा आर्य बोली के रूप धारण कर लेथय।

कृति-सुन ले हमर संदेश
कृतिकार-चंद्रिका प्रसाद देशमुख
प्रकाशक-विचार विन्यास प्रकाशन
राजनांदगांव
समीक्षक-भागवत निषाद
मूल्य-चालीस रूपए

पुस्तक समीक्षा

हमर अंचल म बाल कविता लेखन कमती होवत हे। अइसन म आपके कृति अउ आपके प्रयास सराहनीय हे। आप अपन संग्रह म बीस बाल कविता म लइका मन बर ज्ञानवर्द्धक विषय वस्तु ल शामिल करे हव। जइसे-अक्षर गीत, बरसगे पानी शहीद, मोर छत्तीसगढ़ माटी, नशापान ले मुक्ति, मोर गंवई गांव शीर्षक मन कविता ल सार्थक करत हे। सरल भाषा म लिखाय कविता मन लइका के मन ल जरूर प्रभावित करही। देखन एक ठन कविता ल-

चलो लहराबो तिरंगा,
ऐ भुइयां के जस जग गाए,
ऐकर महिमा सुनके बैरी,
रात रात दिन छाती जराए,

अइसने गीत शैली म लइका मन के हिरदय ल टटोले के अच्छा परयास होय हे।

जय हो जय हो गा जवान,
जय हो जय हो गा किसान,
तीन रंग के झंडा,
हमर देश के महान,

आपके नान नान कविता ले लइका मन ल एक सीख मिलना स्वाभाविक हे।

बर बिहाव बखत सबो नेंग मन म जइसे-चुलमाटी, मड़वा छवउनी, तेल चघनी, मंगरोहन, देवतला, मायन, नहडोरी, परघौनी, धरमटीका अउ बिदई के बेरा सबो म अलग अलग धुन (पार) बाजय। इहां तक के बाजा के रस्म के पार या धुन ले पता चल जाय के कते नेंग ह होवत हे। इंकर टीम म दू परी अउ जोक्कड़ होवत रिहिन हे। आज ले दू से तीन दशक पहिली तक सींग बाजा अउ दमऊ वाले मन कूद-कूद के अउ घूम घूम के नाचयं त बरात परघौनी रात भर चलय।

नंदावत हे गड़वा बाजा

गड़वा बाजा छत्तीसगढ़ में निवास करैय्या गाड़ा जाति के बजात रिहिन हे, जेन ला उपना गंधर्व, देवदास के नाव ले घलो जाने जाथे। गड़वा बाजा मुख्य रूप ले बर-बिहाव म बजाय जाता रिहिस हे। येकरे संग कोनो आमंत्रित सगा-सोदर गांव म आय त ऊंकर सुवागत सत्कार म बजाय जाता रिहिस हे। गड़वा बाजा म मुख्य रूप ले दफड़ा, निसान,(सिंग बाजा) दमऊ, टामक, मोहरी, झूमका, मंजीरा होवय। गाड़ा जाति के मन ए बाजा मन ल बजाय त मन खुस होव जावत रिहिस हे। काबर कि लय म बंधाय बाजा के धुन बड़ मनमोहक लागय। येकरे संग इंकर टीम म दू परी अउ जोक्कड़ होवत रिहिन हे। आज ले दू से तीन दशक पहिली तक जब बरात परघाय जाय त रात भर इंकर नाचा चलय।

इंकर अलग चिंहारी रहाय

मनखे मन घलो देखे अउ सुने म घलो कोनो कमी नी करत रिहिन। बीच-बीच में जोक्कड़ मन के गम्मत चलय वोहा समाज ल कोनो न कोनो सीख देवय अउ येकरे संग बजनिया मन ल सुसताय के मौका घलो मिल जात रिहिस। सींग बाजा अउ दमऊ वाले मन कूद-कूद के अउ घूम घूम के नाचयं तेहा सबके मन ल लुभाय। ये बेरा जोक्कड़ परी मन के गोड़ म बंधाय घुघरू मन के धुन ह बड़ सुघ्घर लागय। येमा एक कहावत रहाय-

सबके नचई त
त गाड़ा मन के मटकई

बर बिहाव बखत सबो नेंग मन म जइसे-चुलमाटी, मड़वा छवउनी, तेल चघनी, मंगरोहन, देवतला, मायन, नहडोरी, परघौनी पार, धरमटीका अउ बिदई के बेरा सबो म अलग अलग धुन बाजय। इहां तक के बाजा के रस्म के पार या धुन ले पता चल जाय के कते नेंग ह होवत हे।

नंदावत हे अब ए बाजा के चलन

पहिली लोगन गाड़ा जाति के लोगों के टीम संग कोनो दीगर जात के कलाकार गायन या वादन में शामिल हो जाय त देखैय्या मन वोला कहाय- तहूं बाजय बर गाड़ा बन जबे कारे! अतका प्रभाव बाजा म गाड़ा मन के रिहिस हे। यानि कि बिहाव या कोनो भी दुख सुख के कारज के बेरा जेन भी बजनिया रहाय वोमन गाड़ा जाति के मन होवय। आज गाड़ा बाज मन ह नंदावत हे, काबर कि गाड़ा मन अपन परंपरागत रोजगार या ऐ सऊंख ल छोड़त जात हें। येकर अउ कारण ये हे कि पहिली जइसे बाजा बनाय म जेन जिनिस के उपयोग होवत रिहिस तेनहा आजकाल मिले नहीं, मिलथे त महंगा होगे हे। गाड़ा बाजा लगाय म मनखे कतराथें काबर कि ऐ नाचा के कीमत घलो जादा होगे हे। अउ कलाकार मन सीखे म बड़ मेहनत घलो लागथे। कई कारण हे कि आज के पीढ़ी गाड़ा बाजा ल सीखे म अपन रूचि नइ लेवत हें। गाड़ा बजाय नदांय ले बिहाव के रस्म म घलो कमती होवत जात हे। अइसे लगत हे गाड़ा बाजा अब इतिहास बनके रही जही।

छुईखदान पहिली एक ठन राज रिहिस। ऐ राज ह राजनांदगांव जिला के खैरागढ़ के तीर म लगे हवय। अब तो खैरागढ़ ल जिला बना दे गेहे। येला छुईखदान रियासत के नाव ले घलो जाने जात रिहिस। बारीकी ले देखे म आथे कि खैरागढ़ के बड़ सुघ्घर इतिहास हावे, जेन हा प्राकृतिक सौंदर्य ले भरपूर रिहिस हे। अभी घलो इहां रियासत के बेरा के बड़-बड़े महल-बाड़ा ल खंडहर रूप म देखे जा सकत हे।

छुही मिले के सेती नाव होइस छुईखदान

हमन अपन करम भुइयां अउ जनम भुइयां ऊपर बड़ गरब करथन। अउ करना घलो चाही काबर कि जेन माटी म हमन जनम धरे हन वोकर करजा उतारना घलो जरूरी हे। हमन जइसे अपन बड़े बुजुर्ग मन के छइहां म पलथन-बढ़थन उंकर मया दुलार पाथन अउ उकरें असीस ले बने ढंग ले जिनगी जिए के कोसिस म लगे रहिथन। एक महतारी के कोरा जेकर कोख ले जनम धरेन, अउ दूसर हमर छत्तीसगढ़ महतारी आय जेकर कोरा म हमर जिनगी के सबो जिनिस समाय हावे। त अपन जिनगी म हमर जनम अउ करम देवैय्या महतारी के चरन वंदन जिनगी भर करबो, तभो ले इंकर करजा ल कभु चुकता नइ करन। इही किसम ले हमर छत्तीसगढ़ महतारी के कोरा म किसम किसम लोहा, सोना,हीरा, कोइला अउ का जिनिस नइहे। बेरा के हिसाब ले वोकर उपयोग हमर जिनगी म करत रहिथन। इही कड़ी म हमर बड़ महत्ता वाले जगा आय जेकर नाव हे-छुईखदान।

नाव होय के कारण

इतिहास ताथे कि छुईखदान पहिली एक ठन राज रिहिस। ऐ राज ह राजनांदगांव जिला के खैरागढ़ के तीर म लगे हवय। अब तो खैरागढ़ ल जिला बना दे गेहे। येला छुईखदान रियासत के नाव ले घलो जाने जात रिहिस। बारीकी ले देखे म आथे कि खैरागढ़ के बड़ सुघ्घर हावे, जेन हा प्राकृतिक सौंदर्य ले भरपूर रिहिस हावे। अभी घलो इहां रियासत के बेरा के बड़-बड़े महल-बाड़ा ल खंडहर रूप म देखे जा सकत हे। येहा इतिहास के गवाही देवत अपन साक्ष्य ल बचा के राखे हवय। इहां पीयर अउ सफेद छुही के बड़े-बड़े खदान हावे। इही छुही मिले के सेती ये जगा के नाव छुईखदान परिस। इहां के खदान ले बड़ दूरिहा-दूरिहा के मनखे मन अपन काम-कारज बर छुई लेगे बर आवत रिहिन हे। पहिली के बेरा ले घर ल खुटियाय के संग लीपे अउ पोते बर छुही के उपयोग करत रिहिन। आजो गांव मन म पीयर अउ सफेद छुही के उपयोग माटी के घर ल पोते बर करथें। फेर आजकल के फैसन के बेरा म छुही म लीपे-पोते के उपयोग कमती होवत जावत हे। इहां छुही के बेवसाय घलो होवत रिहिस हे। पहिली नाचा में परी मन छुईखदान के जिक्र घलो करत रिहिन-

नदिया के पार हे छुही के खदान।
बोली काबर मारे मैं रहेंव नदान।।

बेरा के प्रभाव ले अब छुईखदान के स्वरूप घलो बदलत जावत हे। अब छुईखदान खाली इतिहास के पन्ना म दर्ज भर होही अइसे लागत हे।

महत्वपूर्ण तथ्यों को समेटे बंक ऋषि आश्रम व मंदिर

त्रिपुरी (ग्राम तेवर, जिला जबलपुर) के हैहयवंशियों की एक लहुरी शाखा दक्षिण कोसल जनपद में आकर राज्य करने लगी। इसने तुम्माण में अपनी राजधानी स्थापित की। तुम्माण बिलासपुर नगर से लगभग 55 मील दूर ईशान कोण पर है। तुम्माण को स्थानीय बोली में तुम्मान खोल कहा जाता है। खोल का अर्थ है- छेद यह वह स्थान होता है जो चारों ओर से घिरा हुआ हो, जिसमें केवल एक या दो प्रवेश मार्ग हो। तुम्माण हैहयवंशीयों की तीन पीढ़ी तक राजधानी रही, जिसमें राजधानी को चतुर्दिक विकसित और समृद्धशाली बनाने के लिए उन्होंने अथक परिश्रम किया। बड़े-बड़े तालाब खुदवाए, आम वन लगाए तथा फलों व फूलों के उद्यान लगाकर इस स्थान को सुशोभित किया। इसी के साथ राजमहल, अट्टालिकाओं, प्रासादों का निर्माण कराकर उन्हें सुख साधनों से भर दिया। उनके कला प्रेम की कहानी आज तक बंकेश्वर, रत्नेश्वर और पृथ्वी देवेश्वर मंदिर के अवशेष ऐतिहासिक महत्व को दर्शाते हैं।

बंकेश्वर का सुप्रसिद्ध मंदिर बंक ऋषि की स्मृति में निर्मित किया गया था। इसी स्थान पर बंक ऋषि का आश्रम था। शताब्दियों के थपेड़े खाकर भी इन भग्नावशेष से उनके अद्वितीय शिल्प कौशल देखकर आश्चर्य होता है। एक स्थान पर भगवान शंकर के तांडव नृत्य की मुद्रा कला पूर्ण ढंग से उकेरा गया है। एक स्थान पर ब्रम्हा जी की मूर्ति खंचित है। समीप में उनका वाहन हंस मजे से खड़ा है। द्वार के दाहिनी ओर वामन भगवान गरूड़ जी पर विराजमान हैं। द्वार के ऊपर कीर्ति मुख को स्थापित करते हुए गणों की मूर्तियां उत्कीर्ण हैं जो हाथ में पुष्पहार लिए हुए हैं। दक्षिण कोसल में हैहयवंशियों के राजत्वकाल में जिन मंदिरों के निर्माण किए गए, उनके द्वार पर नवग्रहों की मूर्तियां अवश्य प्रतिष्ठित रहती हैं। हिन्दू पूजा विधान में मुख्य देव की पूजा अर्चना के पूर्व गणेश और नवग्रह का आव्हान अनिवार्य माना जाता था। वहीं परंपरा मंदिरों के निर्माण विधान में भी अपनाई गई है। द्वार के चौखट पर विष्णुजी के दशावतार की मूर्तियां उकेरी गई हैं। द्वार के निम्न भाग पर हाथ में घड़ा लिए गंगाजी और जमुनाजी कच्छप पर विराजमान हैं। गंगा और जमुना के आजू बाजू द्वार पाल खड़े हैं लेकिन इनके हाथ काल बलि ने तोड़ दिए हैं। संभवतः यह द्वारपाल शिवजी के मुख्य गण वीरभद्र और सोनभद्र हों। तुम्माण के अन्य मंदिरों में भी शिल्प नैपुण्य की अपूर्व सुषमा संचित है। आजकल तुम्माण एक गांव के रूप में परिवर्तित हो गया है। इसके पश्चिम में जटाशंकर नदी बहती है। नदी के पश्चिम तट पर भग्नावशेष दिखाई देते हैं। वे संभवतः राजमहल रहे होंगे। ग्रामवासी इसे सतखंडा महल के नाम से जानते हैं। तुम्माण आज भी सघन वन और अमराइयों से घिरा हुआ दर्शनीय स्थान है।

पंडो वनवासी मनाते हैं लाटा त्योहार

पंडो वनवासी समुदाय प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करते लाटा त्यौहार तकरीबन एक पखवाड़े तक मनाते हैं। लाटा त्योहार पंडों जनजातियों बस्ती में प्रसन्नता लेकर हर साल आता है। इसे प्रकृति पूजा से भी जोड़ कर देखा जाता है। सही मायने में नया महुआ टपकने के साथ ही लाटा त्यौहार मनाने की सुगबुगाहट शुरू होती है। बताते हैं कि नये महुआ से बने शराब तथा तैयार लाटा सेवन करने से ग्रीष्म ऋतु की तपन सहने के लिए शारीरिक क्षमता विकसित होती है।

पंडो वनवासी समुदाय के लोग लाटा त्यौहार को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। दरअसल यह त्योहार चैत्र शुक्ल पक्ष के नवरात्रि के समय से मनाया जाता है। जब प्रकृति द्वारा प्रदत्त आम पेड़ों में बौर लगे होते हैं, महुआ फूल टपकना आरम्भ हो जाता हैं, तब प्रकृति प्रेम के आगोश में सिमटे पंडो जनजाति के लोग खुशी की तलाश में एक नियत तिथि को लाटा त्यौहार मनाने का एकजुट होकर निर्णय लेते हैं और बसाहट में ग्राम कोटवार द्वारा मुनादी कराते हैं कि लाटा त्योहार पड़ों बस्ती में फलां तिथि को मनाया जाएगा। पंडो समुदाय के लोग एक निश्चित स्थान यानि किसी पंडो जनजाति के घर आंगन में एकत्रित होते हैं और लाटा त्यौहार मनाने पर आपसी सहमति बनाते हैं। यदि पंडों जनजाति के लोगों की माने तो अपने मुहल्ले में बसने वाले अपने घर के अलावा दूसरे सजातियों के घरों में जाकर यह लाटा त्यौहार मनाते हैं। सरगुजा अंचल के पंडों वनवासी समुदाय प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करते लाटा त्यौहार तकरीबन एक पखवाड़े तक मनाते हैं। लाटा त्योहार पंडों जनजातियों बस्ती में प्रसन्नता लेकर हर साल आता है। इसे प्रकृति पूजा से भी जोड़ कर देखा जाता है। सही मायने में नया महुआ टपकने के साथ ही लाटा त्यौहार मनाने की सुगबुगाहट शुरू होती है। बताते हैं कि नये महुआ से बने शराब तथा तैयार लाटा सेवन करने से ग्रीष्म ऋतु की तपन सहने के लिए शारीरिक क्षमता विकसित होती है। पहले महुआ फूल, मक्का

लाई, भूनी हुई तिली को कूटकर लाटा तैयार किया जाता है, फिर अपने-अपने घर में देवताओं, पितरों पूर्वजों को लाटा अर्पित कर, महुआ शराब चढ़ाकर तृप्त और पूजा अनुष्ठान किया जाता है। इसके बाद इस अवसर पर पारा-टोला से आए इष्ट मित्रों को प्रसाद के रूप में लाटा खिलाया एवं महुआ की शराब पिलाई जाता है, चावल आटे से बने रोटी पकवान खिलाए जाते हैं। इस तरह आरंभ होता है लाटा त्यौहार मनाने का सिलसिला। पंडों जनजाति के लोग बारी बारी से एक-दूसरे के घरों में जाकर भोजन करते हैं। यह त्यौहार प्राचीन काल से मनाया जा है। पंडो जनजाति के लोगों का मानना है कि इस त्यौहार के मनाने से पूर्वज खुश होते हैं, आशीष प्रदान करते है। नए महुआ से बनी शराब तथा लाटा पूर्वजों को जीवन काल में प्रिय था और दिवंगत होने के बाद भी बेहद पसंद हैं, इसी आस्था को लेकर पूर्वजों के लिए लाटा और महुआ शराब प्रसाद के रूप में अर्पण किया जाता है। पंडो जनजाति के लोग आंगन में कतारबद्ध पतों में लाटा चढ़ाते जाते हैं तथा उसी लाटा के उपर महुआ शराब का तर्पण किया जाता हैं। इस तरह की प्रथा वनवासी बहुल इलाके आज भी इस आधुनिक समय में देखने सुनने को मिलती है। ना वे बदले हैं और ना उनकी परम्पराएं बदली है। महुआ से बनने वाले लाटा का अपना इतिहास है। प्राचीन काल में जब सूखा अकाल पड़ता था, वर्षों पानी नहीं बरसता था, तब भूखों मरने की नौबत आ जाती थी। ऐसी विषम परिस्थिति में लोग लाटा खाकर अपना जीवन व्यतीत करते थे। कुछ प्राचीन रीति रिवाज आज भी सघन जंगलों के हृदय स्थल में बसने वाले वनवासी समाज के लोग अपने पूर्वजों से विरासत में मिले धरोहर को संजोकर रखे हुए हैं। भौगोलिक दृष्टि से सरगुजा जिले की वादियों में बसने वाले ये पंडों जनजाति समुदाय के लोग आज भी उन सदियों पुरानी परम्परा को समेटे रखे हैं जो वक्त के साथ मिटने लगी है। लाटा शारीरिक पोषण का काम करता था। इसके महत्व को समझते हुए लाटा त्योहार मनाने की रिवाज आज भी जीवित है तथा इसके माध्यम से पितरों का स्मरण कर उन्हें भी तृप्त किया जाता है।

लगातार बढ़ रही महंगाई अप्रैल में 18 महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने की आशंका: रिपोर्ट

महंगाई से राहत की उम्मीद नहीं

नई दिल्ली। देशवासियों को फिलहाल महंगाई से राहत की उम्मीद नहीं दिख रही है। यह बात रिसर्च फर्म नोमुरा ने अपनी रिपोर्ट में कही। नोमुरा के अनुसार अप्रैल में महंगाई 18 माह के उच्च स्तर पर पहुंच सकती है। रिपोर्ट के अनुसार आने वाले समय में आम जनता पर महंगाई का बोझ और बढ़ सकता है। पिछले कुछ महीनों से भारत में खुदरा महंगाई लगातार बढ़ रही है और इसे नियंत्रित करने के लिए ही भारती रिजर्व बैंक ने हाल ही में आनन-फानन में एमपीसी की बैठक कर नीतिगत दरों में 40 बेसिस प्वाइंट का इजाफा कर दिया। इस बढ़ोतरी के बाद 20 मई 2020 से चार फीसदी पर स्थित रेपो दर बढ़कर 4.40 फीसदी हो गई। रिपोर्ट में विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में देश में महंगाई अभी और भी बढ़ सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की मुद्रास्फीति में आधारभूत मुद्रास्फीति का हिस्सा 88 फीसदी है, जो कि एशिया में सबसे उच्च स्तरों में एक है। इसके अलावा एक पोल के परिणामों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि अप्रैल महीने में देश की खुदरा महंगाई 18 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच सकती है। इसका बड़ा कारण ईंधन और खाद्य पदार्थों की कीमतों आई तेजी है। 5 से 9 मई के बीच कराए गए इस पोल के मुताबिक, देश में खुदरा महंगाई अप्रैल महीने में 7.5 फीसदी पर पहुंच सकती है, जो मार्च में 6.95 फीसदी पर रही थी। बता दें कि खुदरा महंगाई के आंकड़े 12 मई को जारी किए जा सकते हैं।

12 साल के शीर्ष पर पहुंचे आटे के दाम, इस साल 46 फीसदी बढ़ीं गेहूं की कीमतें

गेहूं की कीमतों में बढ़ोतरी से आटे के दाम 12 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। इससे ब्रेड, बिस्कुट और आटे से बनने वाले उत्पाद भी जल्द महंगे हो जाएंगे। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल गेहूं की कीमतें अब तक 46 फीसदी तक बढ़ गई हैं। इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य 2015 रुपए प्रति क्विंटल है। बाजार में इसकी कीमत एमएसपी से 20 फीसदी अधिक है। इसी तरह, आटे का भाव अप्रैल में 32.38 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया था। यह जनवरी, 2010 के बाद सबसे ज्यादा है। गेहूं में तेजी से एफएमसीजी कंपनियां आने वाले समय में आटे से बनने वाले उत्पादों के दाम 15 फीसदी तक बढ़ा सकती हैं। मंत्रालय का कहना है कि पिछले एक साल में आम आदमी की थाली की हर चीजें महंगी हो गई हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण गेहूं का उत्पादन कम होने से आटे की कीमतों में बड़ी तेजी आई है। इसके अलावा, युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने से विदेशी बाजारों में भारतीय गेहूं की मांग भी ज्यादा रही। डीजल के भाव में तेजी से किराया बढ़ने के कारण भी गेहूं और आटे के भाव आसमान छू रहे हैं। 156 केंद्रों पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, पोर्ट ब्लेयर में आटे की कीमत सबसे ज्यादा 59 रुपए प्रति किलो थी, जबकि पश्चिम बंगाल में सबसे कम 22 रुपए प्रति किलो थी।

बढ़ती महंगाई पर भारत विश्व के चार देशों में शामिल

रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे उच्च महंगाई की मार झेल रहीं अर्थव्यवस्थाओं में चार देशों के नाम सबसे ऊपर हैं। इनमें भारत भी शामिल है। इसके अलावा, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और ताइवान में भी महंगाई उच्च स्तर पर बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस लिस्ट में शामिल देशों को महंगाई काबू में करने के लिए सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है।

इन उत्पादों के दाम में इजाफा

उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, मसूर दाल एक साल पहले की तुलना में 14.73 फीसदी महंगी हुई है। 9 मई 2021 को मसूर दाल के दाम 84.34 रुपए थी, जो 9 मई 2022 को बढ़कर 96.77 रुपए हो गई। इसी प्रकार चीनी के दाम 39.75 रुपए से बढ़कर 41.48 रुपए हो गए हैं। जो एक साल में 4.35 फीसदी बढ़े हैं। चायपत्ती की बात करें तो यह 7.97 फीसदी महंगी हुई है। एक साल पहले जहां चायपत्ती की कीमत 265.94 रुपए थी, वहीं अब बढ़कर 284.75 रुपए हो गई है। आलू के दाम में 26.46 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आलू की कीमत साल भर पहले 17.76 रुपए थी, जो अब बढ़कर 22.46 रुपए हो गई है। वहीं टमाटर की बात करें तो यह 113.38 फीसदी महंगा हुआ है। टमाटर के मौजूद भाव 38.26 रुपए हैं, जबकि एक साल पहले यह 17.93 रुपए किलो बिका था। दूध की बात करें तो यह 7.37 फीसदी महंगा हुआ है। वर्तमान में यह 51.38 रुपए लीटर बिक रहा है जबकि एक साल पहले 48.85 रुपए बिका था। इसी तरह खाद्य तेल की बात करें तो मूंगफली तेल 6.47 फीसदी बढ़कर 187 रुपए पहुंच चुका है, सरसों तेल 12.52 फीसदी उछलकर 185.52 रुपए पहुंच गया है। इसी तरह वनस्पति तेल 25 फीसदी, सूरजमुखी 14.48 फीसदी और पाम तेल 19.98 फीसदी महंगा हुआ है।

डॉलर के मुकाबले कमजोर रुपया और बढ़ाएगा महंगाई

फिक्की की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक रुपए में आई ताजा गिरावट का असर तमाम क्षेत्रों के आयात में देखने को मिलेगी। आयात अब महंगा हो जाएगा इससे न सिर्फ देश का चालूखाता घाटा बढ़ेगा बल्कि रुपया इसी तरह गिरता रहा तो कारोबारियों की लागत में भी इजाफा होगा। देश में 48 फीसदी कारोबारियों ने देश में उत्पादन की लागत में 10 फीसदी से ज्यादा बढ़त की बात मानी है। रुपए के गिरावट के नए स्तर पर पहुंचने के बाद विशेषज्ञों को लगता है कि इसका असर तमाम कमोडिटी के आयात पर पड़ेगा और उसी के साथ उससे बनने वाला उत्पाद भी प्रभावित होगा। भारत बड़े पैमाने पर जरूरी चीजों जैसे कच्चा तेलए इस्पात, पाम आयल और दवाओं का आयात करता है। ऐसे में इन सभी चीजों के लिए पहले के मुकाबले ज्यादा कीमत चुकानी होगी। सर्वे में करीब 84 फीसदी कंपनियों ने माना है कि कच्चे माल की ऊंची लागत कारोबार के लिए बड़ी बाधा है। पिछले दौर के सर्वे में ये आंकड़ा 82 फीसदी था। इनमें से 48 फीसदी का मानना है कि उत्पादन की लागत 10 फीसदी से ज्यादा है। रुपए में अगर ये गिरावट आगे भी जारी रही तो इन कारोबारियों की मुश्किल और बढ़ सकती है।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन ने मनाया अंतरराष्ट्रीय मजूदर दिवस

मुंबई। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा संवाद हॉल, पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट में मजदूर दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती कमलेश बुटानी ने पश्चिम रेलवे के आठ कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान सराहनीय एवं अनुकरणीय कार्य के लिए सम्मानित किया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर के अनुसार ट्रैक मेंटेनर, पॉइंटमैन, खलासी आदि के रूप में कार्यरत पश्चिम रेलवे के छह मंडलों के आठ कर्मचारियों को उनके अनुकरणीय कार्य की सराहना के रूप में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती कमलेश बुटानी ने सभी आठ पुरस्कार विजेताओं को एक उपहार और एक योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया। श्रीमती बुटानी ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनकी कड़ी मेहनत की तहे दिल से सराहना की। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को अपना अच्छा कार्य जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर श्रीमती बुटानी ने पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की ओर से बधवार पार्क में हेल्थ डिस्पेंसरी को एक आरओ वाटर प्यूरीफायर दान दिया। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा ये पुरस्कार प्रति वर्ष कर्मचारियों के मनोबल को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रदान किए जाते हैं। यह पुरस्कार समूह घ के कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने में भूमिका और योगदान को मान्यता देने के लिए दिए गए।

आठ कर्मचारी सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित

कागज की खपत बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली। केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री भगवत किशनराव कराड ने देश में कागज की खपत बढ़ाने पर जोर देते हुये आज कहा कि कागज उद्योग के लिए कच्चे माल के रूप में कृषि अवशेषों के लिए नवाचार और बिजली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अक्षय ऊर्जा के उपयोग पर जोर दिया जाना चाहिए।

श्री कराड ने ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो सेंटर में कागज उद्योग पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन पेपरेक्स का उद्घाटन करते हुये कहा कि भारत में कागज की खपत को बढ़ावा देने की जरूरत है। बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने और भारत को कागज विनिर्माण में आत्मनिर्भर बनाने के लिए देश में कागज उत्पादन को 7-8 गुना बढ़ाने की जरूरत है। वर्तमान में भारत में कागज के वैश्विक उत्पादन का केवल 4-5 फीसदी हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पेपरेक्स जैसे आयोजन से आम लोगों व छोटे उद्यमियों को कागज से जुड़ी विस्तृत जानकारी, नई तकनीकों और इसमें निहित अवसरों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। इंडिया एग्रो एंड रिसाइकिल्ड पेपर मेनुफेकचरर्स एसोसियेशन आईएआरपीएमए द्वारा आयोजित पेपरेक्स इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एवं प्रदर्शनी दुनिया में पेपर सेक्टर के बड़े कॉन्फ्रेंस में शुमार है। एफएमसीजी प्रोडक्ट, फार्मा, टेक्सटाइल, ऑर्गनाइज्ड रिटेल, बढ़ते ई-कॉमर्स और अन्य सेगमेंट से क्वालिटी पैकेजिंग की मांग लगातार आ रही है। कागज उद्योग में विकास की व्यापक संभावनाएं हैं।

गाजीपुर में गहमर रेलवे स्टेशन के पास संघमित्रा एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश, अप लाइन में रखा रेल पटरी का टुकड़ा

गाजीपुर। दानापुर मंडल के नियंत्रण कक्ष में मंगलवार की रात उस समय हड़कंप मच गया जब गहमर रेलवे स्टेशन के पश्चिम तरफ अप रेलवे पटरी पर अराजकतत्वों ने दो जगह पुराना रेल पटरी का टुकड़ा रखकर संघमित्रा एक्सप्रेस (12296) को डिरेल करने की साजिश की। डाउन लाइन में 13202 कुर्ला राजेंद्रनगर एक्सप्रेस ट्रेन के पायलट ने पटरी पर रखे रेल के टुकड़े को देखकर इसकी जानकारी गहमर स्टेशन मास्टर को दी। स्टेशन से सूचना दानापुर नियंत्रण कक्ष को देकर अप लाइन में आ रही संघमित्रा एक्सप्रेस को चौसा स्टेशन पर रोक दिया गया। इससे बड़ा रेल हादसा टल गया नहीं तो कई डिब्बे डिरेल हो जाते। दिलदारनगर आरपीएफ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है। गहमर रेलवे स्टेशन के पश्चिम ओर अप मेन लाइन में अराजकतत्वों ने दो जगह जर्जर रेल पटरी का टुकड़ा रख दिया था। डाउन लाइन में कुर्ला राजेंद्रनगर एक्सप्रेस (13202) ट्रेन का ठहराव है। ट्रेन स्टेशन पर रात 21.45 बजे आ रही थी कि तभी ट्रेन के पायलट की नजर अप रेलवे पटरी पर रखे गए रेल पटरी के टुकड़ा पर पड़ गई।पायलट ने तत्काल इसकी जानकारी गहमर स्टेशन को दी। वहां से सूचना दानापुर नियंत्रण कक्ष को दी गई। आनन फानन बक्सर से खुली संघमित्रा एक्सप्रेस ट्रेन को चौसा स्टेशन पर रात 21.54 बजे खड़ी कर दी गई। सूचना पाकर आरपीएफ दिलदारनगर के उपनिरीक्षक लल्लन यादव व नवीन कुमार भी मौके पर पहुंच गए और रेल अप रेलवे पटरी से रेल का टुकड़ा को हटाया तब जाकर चौसा में खड़ी संघमित्रा एक्सप्रेस आगे की ओर रवाना हुई। इसके बाद आरपीएफ रेल पथ विभाग व गहमर पुलिस के अधिकारी जांच में जुट गए कि आखिरकार किसने इस घटना को अंजाम दिया। दिलदारनागर आरपीएफ के उपनिरीक्षक नवीन कुमार ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ रेलवे एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

एएनएम के काम से प्रभावित होकर स्टेट की टीम ने किया ट्वीट

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वास्थ्य विभाग में नवजात शिशु से लेकर गर्भवती को समय-समय पर टीकाकरण करने वाली एएनएम जो स्वास्थ्य विभाग की निचली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होती है। ऐसी ही एक एएनएम को डॉ. मनोज शुक्ला जीएमआरआई लखनऊ ने उसके कार्यों से प्रभावित होकर उसकी तस्वीर अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया है। साथ ही एनएचएम यूपी, डिजिटल इंडिया एवं आयुष्मान डीएचएम को टैग भी किया है और इस ट्वीट को मिशन निदेशक अपर्णा यू ने रिट्वीट करते हुए लिखा है जब गाजीपुर की एएनएम कर सकती है तो अन्य क्यों नहीं। दरअसल जनपद में चल रहे सघन मिशन इंद्रधनुष 4.0 के तीसरे चरण का स्थलीय निरीक्षण करने स्टेट से डॉ. मनोज शुक्ला जीएमआरआई लखनऊ और डॉ. विजय अग्रवाल यूनिसेफ लखनऊ ने गाजीपुर का दौरा 9 मई को किया। जनपद के कई स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही कोल्ड चैन के रख-रखाव की बहुत ही बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान यह टीम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरनो के भड़सर उपकेंद्र पर पहुंचा जहां पर एएनएम मनोरमा के द्वारा टीकाकरण का कार्य किया जा रहा था। उसके कार्य करने का तरीका देखकर निरीक्षण करने वाली टीम काफी प्रभावित हुई। क्योंकि मनोरमा टीकाकरण करने के साथ ही ऑफलाइन रिकॉर्ड मेंटेन के साथ ही ई कवच पोर्टल पर तत्काल ऑनलाइन भी कर रही थी। जो निरीक्षण करने वाली टीम को पूरे जनपद में यही मिली। इससे प्रभावित होकर टीम ने एएनएम मनोरमा की फोटो अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया। इसके अलावा डिस्ट्रिक्ट कोल्ड चैन का भी निरीक्षण किया और वहां के रखरखाव और व्यवस्था से प्रभावित रहे। साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद पर भी टीम गई। जहां पर कम जगह होने के बाद भी कोल्ड चैन रूम को अच्छे तरीके से रखने का प्रबंध किया गया था और इनके फील्ड की एएनएम प्रीति गुप्ता का प्रदर्शन ठीक भी रहा। जिसे टीम ने सराहा।

रोजगार मेले में 10 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला सेवायोजन कार्यालय, गाजीपुर के तत्वाधान में राजकीय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गाजीपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया। आज के इस रोजगार मेले में प्रतिभागी कम्पनियाँ रोहित हाईब्रीड सीड्स प्रा.लि., वालकारो इन्टरनेशनल प्रा.लि. द्वारा सेल्स आफिसर, मार्केटिंग आफिसर आदि पदों पर चयन किया गया। मेले में लगभग 76 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से विभिन्न पदों पर कुल 10 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। सेवायोजन कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरदोई में महिला की दर्दनाक हत्या, घर के अंदर भूसे की कोठरी में मिला शव

हरदोई। घर में सो रही महिला की हत्या कर दी गई। आधी रात बाद उसका शव घर के अंदर ही भूसे की कोठरी में पड़ा मिला। उसके मुंह पर रूमाल बंधा था और पैरों में भी चोट के निशान थे। मृतका के पति ने गांव के ही तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि उन लोगों ने दिसंबर 2021 में उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ की थी, जिसका मुकदमा चल रहा है और उसी में वह लोग सुलह करने की धमकी भी दे रहे थे। सांडी क्षेत्र के संतोषापुरवा निवासी महिला का पति और उसके दो बच्चे सोमवार की रात छत पर सो रहे थे। वह नीचे सोई थी, आधी रात बाद उसके पति ने चादर मांगी, कई बार आवाज देने पर कोई आहट न होने पर वह नीचे आया। पत्नी के कमरे में देखा पर वह वहां नहीं दिखी। इधर-उधर देखा तो भूसे की कोठरी में पड़ी चारपाई पर उसका शव मिला। पति का कहना है कि मुंह में रूमाल कसा था, साथ ही एक पुराने ब्लाउज की डोरी पैरों के पास पड़ी थी। ऐसा लग रहा था कि उसी से उसके पैर बांधे गए और हत्या के बाद खोल दिए गए। शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं था। खबर मिलते ही आसपास के लोग जमा हो गए। सीओ सतेंद्र सिंह के साथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मृतका के पति ने गांव के ही तीन लोगों पर आरोप लगाया है। उसका कहना है कि सुनील, विवेक और बलराम ने उसकी पत्नी के साथ 15 दिसंबर 2021 को छेड़छाड़ की थी, जिसकी उसने एफआइआर दर्ज कराई थी। उसी में वह लोग सुलह के लिए कह रहे थे और सुलह न करने पर हत्या कर दी। थाना प्रभारी बालकृष्ण मिश्र ने बताया कि संदिग्ध हालत में महिला का शव मिला है। सभी बिंदुओं पर जांच हो रही है और तहरीर के आधार पर एफआइआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव में गहमागहमी, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में डाले जा रहे वोट

प्रयागराज। प्रयागराज जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव कचहरी परिसर में आज मंगलवार को हो रहा है। सुबह नौ बजे से वोटिंग शुरू हो गई है, जो शाम पांच बजे तक चलेगी। मतगणन बुधवार को संगम सभागार में होगी। मतदान के दौरान शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। चुनाव में खलल डालने वालों के खिलाफ पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी।

मतदान के लिए अधिवक्ताओं का ड्रेस में आना आवश्यक : जिला अधिवक्ता संघ के हाल में उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व चेयरमैन एवं सदस्य देवेंद्र मिश्र नगरहा, एल्डर कमेटी के चेयरमैन नरेंद्र देव पांडेय, विनोद चंद्र दुबे व कृष्ण बिहारी तिवारी ने चुनाव संबंधी तैयारियों के बारे में जानकारी दी है। कहा है कि शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। मतदान के लिए सभी सदस्यों का अधिवक्ता की ड्रेस में आना अनिवार्य होगा। पहचान के लिए उत्तर प्रदेश बार काउंसिल द्वारा सीओपी नंबर युक्त पहचान पत्र साथ में लाना होगा। विकल्प के रूप में बार काउंसिल द्वारा जारी रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र जिसमें सीओपी नंबर अंकित हो, उसे प्रयोग किया जा सकता है।

यहां होगा मतदान : कचहरी परिसर में जिला जज जहां पहले बैठते थे, अदालत के पूर्वी और मतदान केंद्र बनाया गया है। प्रवेश के लिए जिला कचहरी के गेट नंबर दो और जगराम चौराहे की ओर जाने वाले मतदाता बाबा राम अधार यादव मार्ग से प्रवेश करेंगे। निकास के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत जहां पूर्व में स्थित थी, पश्चिम की ओर व्यवस्था की गई है। बीमार, दिव्यांग और 70 वर्ष से ऊपर के अधिवक्ताओं के लिए निकास और प्रवेश एक ही द्वार से होगा।

पर्ची बनवाना होगा जरूरी : चुनाव में मतदान स्थल पर जाने से पूर्व मतदाता सूची से अपनी पर्ची को बनवा कर साथ ले जाना जरूरी घोषित है। विकास भवन के बगल में ट्रेजरी कार्यालय में आठ टेबल पर 32 अधिवक्ता बैठकर मतदाता पर्ची जारी करेंगे।

बुलंदशहर में बर्खास्त चल रहे सिपाही की धारदार हथियार से हत्या, कारखाने में मिला शव

बुलंदशहर। यूपी पुलिस से बर्खास्त चल रहे पुलिसकर्मी की धारदार हथियार से चेहरे पर प्रहार कर हत्या कर दी गई। उनका शव तेलियाघाट के निकट स्थित मिट्टी के बर्तन बनाने के कारखाने में पड़ा हुआ मिला। मौके पर पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुटी है। खुर्जा क्षेत्र के गांव समसपुर निवासी कालीचरण (50) पुत्र स्वर्गीय जवाहर सिंह यूपी पुलिस में तैनात थे और वर्ष 2015 से किसी मामले में रायबरेली से बर्खास्त चल रहे थे। वर्तमान में उन्होंने तीन लोगों के साथ मिलकर तेलियाघाट के निकट सिकंदराबाद मार्ग पर मिट्टी के कुल्हड़ समेत अन्य बर्तन बनाने का कारखाना डाला हुआ था। मंगलवार रात को वह कारखाने पर ही सो रहे थे। इसी दौरान किसी ने धारदार हथियार से उनके चेहरे पर प्रहार कर हत्या कर दी। उनका शव बुधवार सुबह कारखाने में लहूलुहान अवस्था में फोल्डिंग पर पड़ा हुआ मिला। जानकारी होने पर कोतवाली प्रभारी संदीप कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाकर जांच पड़ताल कराई। उधर मृतक के स्वजन ने कुछ लोगों पर हत्या का शक जताया है। हालांकि अभी उनके द्वारा पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि जांच पड़ताल की जा रही है।

सुलतानपुर में दर्दनाक हादसा, बड़ी बहन की उठनी थी डोली, ट्रेन की चपेट में आने से छोटी की मौत

चांदा (सुलतानपुर)। सुलतानपुर के एक गांव में बेटी की मौत के बाद कोहराम मच गया। एक ओर जहां बड़ी बेटी की डोली उठनी थी तो दूसरी ओर छोटी बेटी की अर्थी उठ गई। दैनिक क्रिया के लिए निकली छोटी बेटी को क्या पता था कि मौत उसका इंतजार कर रही है। अपनी दीदी की शादी की तैयारी कर रही छोटी बहन को मौत ने गले लगा लिया। बुधवार की सुबह नित्य क्रिया के लिए घर से निकली छोटी बेटी मरुधर ट्रेन की चपेट में आ गई। इससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब बुधवार को युवती की बहन की शादी थी। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। पकड़ी खुर्द के स्वर्गीय साहबदीन की पुत्री शंकुतला की बुधवार यानी कि आज शादी है। मंगलवार की देर रात तक मंगल गीत गाए जा रहे थे। रिश्तेदार नृत्य कर रहे थे। भोजन के बाद सब सोने चले गए। सुबह उनकी छोटी बेटी मोनी घर से नित्य क्रिया के लिए निकली। इसके बाद वह वापस नहीं लौट सकी। उसका शव गांव से थोड़ी दूर स्थित रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने शव को देखा तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। आसपास के लोग जुटे तो मृतका की शिनाख्त हुई। परिवारजन का कहना है कि लखनऊ-वाराणसी रेलखंड पर आनापुर नरायणगंज के पास रेलवे लाइन पार करने के दौरान मोनी मरुधर एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई।चांदा कोतवाल आरबी सुमन ने बताया कि पीड़ित भाई विक्रम कुमार ने तहरीर दी है की बहन का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। उसका इलाज चल रहा था। मामले की छानबीन की जा रही है।

जहां बजनी थी शहनाई, वहां छाया मातम : जिस घर में शादी की खुशियां थीं, वहां अब मातम छाया हुआ है। बरातियों के स्वागत की तैयारी भी धरी की धरी रह गई। जैसे ही घटना की जानकारी परिवारजन को हुई, चीख पुकार मच गया। कुछ ही पल में ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई।

लखनऊ को 62 रन से हराकर अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली टीम बनीं

प्लेऑफ में पहुंची गुजरात

पुणे (एजेंसी) मैन ऑफ द मैच सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के नाबाद अर्धशतक और अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान (24 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स को 62 रन से धूल चटाते हुए आईपीएल 2022 के प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया।

गुजरात ने चार विकेट के नुकसान पर 144 रन बनाये और लखनऊ को 135 ओवर में में मात्र 82 रन पर ढेर कर दिया। गुजरात की 12 मैचों में यह नौवीं जीत है और वह 18 अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। लखनऊ को 12 मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। गुजरात की पारी में सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने सात चौकों की मदद से सबसे ज्यादा 63 रन बनाये, लेकिन उन्होंने इस निजी स्कोर के लिए 49 गेंदें खेलीं। इसके अलावा ओपनिंग करने उतरे ऋद्धिमान साहा ने 11 गेंदों पर पांच रन, मैथ्यू वेड ने सात गेंदों पर 10 रन और कप्तान हार्दिक पांड्या ने 13 गेंदों पर 11 रन बनाये। डेविड मिलर के 26 (24) और राहुल तेवतिया के 22(16) की बदौलत गुजरात लखनऊ को 145 रन का लक्ष्य दे पाई। लखनऊ की कसी हुई गेंदबाज़ी की बदौलत गुजरात अपनी पारी में सिर्फ़ एक छक्का लगा सकी। सुपरजाइंट्स के तेज गेंदबाज आवेश ख़ान ने अपने चार ओवरों में 26 रन देकर दो विकेट झटके, जबकि मोहसिन खान ने अपने चार ओवरों में एक विकेट के बदले 18 रन दिए। कृणाल पांड्या ने अपने चार ओवर के कोटे में 24 रन दिये। लखनऊ की इकोनॉमिकल गेंदबाज़ी के बीच महंगे साबित हुए जेसन होल्डर ने 41 रन देकर एक विकेट लिया। इस सीजन दोनों टीमों के बीच खेल गए दोनों मुकाबलों में गुजरात टाइटंस विजयी रहा।

गुजरात की घातक गेंदबाजी के आगे लखनऊ के बल्लेबाजों ने टेके घुटने

लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जाएंट्स 13.5 ओवर में 82 रन बनाकर ढेर हो गई। लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 19 रन के स्कोर पर क्विंटन डिकॉक और 24 के स्कोर पर केएल राहुल आउट हो गए। इसके कुछ देर बाद करण शर्मा भी मिलर को अपना कैच दे बैठे। लखनऊ के लिए दीपक हुड्डा ने सर्वाधिक 27 रन बनाये जबकि क्विंटन डी कॉक ने 11 और आवेश खान ने 12 रन बनाए। इसके अलावा कप्तान राहुल 8 रन, करण शर्मा 4, क्रुणाल पांड्या 5, आयुष बदोनी 8, मार्कस स्टोइनिस 2, जेसन होल्डर 1, मोहसिन खान 1 रन बनाकर आउट हुए। गुजरात के गेंदबाजों ने जिस तरीके की गेंदबाजी की, उसकी जितनी भी सराहना की जए कम है। गुजरात के तेज गेंदबाजों ने पहले पावरप्ले में धारदार गेंदबाजी करते हुए विकेट हासिल किए और फिर बाकी का काम राशिद और अपना पहला मैच खेल रहे साई किशोर ने कर दिया। मार्कस स्टॉयनिस दो रन बनाकर रन आउट हुए। गुजरात की तरफ से राशिद के चार विकेटों के अलावा यश दयाल और साई किशोर ने दो -दो विकेट लिए। वहीं शमी ने तीन ओवर में पांच रन देकर एक विकेट लिया।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4/6
साहा कै. आवेश बो. मोहसिन	05	11	1/0
शुभमन गिल नाबाद	63	49	7/0
मैथ्यूज़ वेड कै. डिकॉक बो. आवेश	10	07	2/0
हार्दिक कै. डिकॉक बो. आवेश	11	13	0/0
मिलर कै. बदोनी बो. होल्डर	26	24	1/1
राहुल तेवतिया नाबाद	22	16	4/0

अतिरिक्त: 7, कुल: 20 ओवर में चार विकेट पर 144 रन **विकेट पतन:** 1-8, 2-24, 3-51, 4-103 **गेंदबाजी:** मोहसिन खान 4-0-18-1, दुश्मांता चमीरा 4-0-34-0, आवेश खान 4-0-26-2, क्रुणाल पंड्या 4-0-24-0, जेसन होल्डर 4-0-41-1,

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4/6
डिकॉक कै. साई किशोर बो. दयाल	11	10	0/1
लोकेश राहुल कै. साहा बो. शमी	08	16	1/0
दीपक हुड्डा कै. शमी बो. राशिद	27	26	3/0
करण शर्मा कै. मिलर बो. दयाल	04	04	1/0
क्रुणाल कै. साहा बो. राशिद	05	05	1/0
बदोनी कै. साहा बो. साई किशोर	08	11	1/0
स्टॉयनिस रन आउट	02	02	0/0
होल्डर पगबाधा राशिद	01	02	0/0
मोहसिन कै. राशिद बो. किशोर	01	03	0 /0
चमीरा नाबाद	00	00	0/0
आवेश खान कै. साहा बो. राशिद	12	04	0/2

अतिरिक्त: 3, कुल: 13.5 ओवर में 82 रन पर ऑल आउट **विकेट पतन:** 1-19, 2-24, 3-33, 4-45, 5-61 , 6-65, 7-67, 8-70, 9-70, 10-82 **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 3-0-5-1, हार्दिक पंड्या 1-0-8-0, यश दयाल 2-0-24-2, अल्जारी जोसेफ 2-0-14-0, राशिद खान 3.5-0-24-4, साई किशोर 2-0-7-2,

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
बटलर	राजस्थान	618
केएल राहुल	लखनऊ	459
डु प्लेसिस	बेंगलुरु	389
शुभमन गिल	गुजरात	384

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	22
हसरंगा	बेंगलुरु	21
कगिसो रबाडा	पंजाब	18
कुलदीप यादव	दिल्ली	18

आईपीएल 2022 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	12	09	03	18	0.376
लखनऊ	12	08	04	16	0.385
राजस्थान	11	07	04	14	0.326
बेंगलुरु	12	07	05	14	-0.115
दिल्ली	11	05	06	10	0.150
हैदराबाद	11	05	06	10	-0.031
कोलकाता	12	05	07	10	-0.057
पंजाब	11	05	06	10	-0.231
चेन्नई	11	04	07	08	0.028
मुंबई	11	02	09	04	-0.894

बीएसएनएल की शानदार जीत

भोपाल। राजधानी के ओल्ड कैंपियन ग्राउंड में चल रहे सारांश ट्रॉफी इंटर कारपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट में बीएसएनएल ने विजाग लॉजिस्टिक्स को 55 रन से हरा दिया जबकि सोमवार रात हुए मैच में बीएसएनएल की टीम ने स्पोर्ट्स एज की टीम पर 41 रनों से हराया। पहले मैच में बीएसएनएल की जी सतीश और मोहनीश मिश्रा की ओपनर जोड़ी ने जबरदस्त साझेदारी दिखाई और पहले विकेट के पतन तक स्कोर को 150 रन पर पहुंचा दिया। बीएसएनएल का पहला विकेट मोहनीश के रूप में गिरा जिन्होंने 5 छक्के और 10 चौकों की मदद से 45 गेंदों पर 87 रन बनाए। बीएसएनएल के लिए जी सतीश ने 4 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 44 गेंदों पर 75 रन की पारी खेली। बीएसएनएल की टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 204 रन का स्कोर बनाया। विजाग लॉजिस्टिक्स की ने जवाबी पारी खेलते हुएछह विकेट पर 149 रन बनाए। इस तरह बीएसएनएल ने यह मैच 55 रन से जीता। मोहनीश मिश्रा को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। इसके पहले दूधिया रोशनी में खेले गए लीग मैच में बीएसएनएल की टीम ने स्पोर्ट्स एज को 41 रन से हरा दिया। बीएसएनएल ने तीन विकेट पर 208 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सारांश ट्रॉपी में यह पहला मौका था जब किसी टीम ने 200 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया। इतना ही नहीं बीएसएनएल के जी सतीश ने टूर्नामेंट का पहला शतक ठोकते हुए 61 गेंदों पर 104 रन का शानदार स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्पोर्टस एज की टीम 19 ओवर में 167 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बीएसएनएल के जी सतीश को मैन ऑफद मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सेज ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट रूपेश गोरखे, सिद्धांता रेड क्रॉस हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सुबोध वार्ष्णेय और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता शाहवर अली खान उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत सारांश टाइम्स के डायरेक्टर अर्सलान ताहिर ने किया।

इंग्लैंड दौरे से पहले निकोल्स चोटिल

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को इस सप्ताह के अंत में टीम के इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले ट्रेनिंग के दौरान काफ इंजरी हुई है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने खुलासा किया कि माउंट माउंगानुई में प्री-टूर कैंप में निकोल्स के दाहिने पैर में चोट लगी थी। सोमवार को अभ्यास के दौरान उनको चोट लगी थी और इसके बाद उनका स्कैन किया जाएगा और तभी स्पष्ट होगा कि चोट से उबरने में उनको कितना समय लगेगा। इंग्लैंड के दौरे पर जाने से पहले न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम को बड़ा झटका हेनरी निकोल्स के रूप में लगा है, जो शायद दौरे से बाहर हो सकता है। मंगलवार को कोच गैरी स्टीड ने कहा, उनका शाम को एमआरआई स्कैन होना है। हम उसके बाद ही जानेंगे कि यह चोट कितनी गंभीर है।

एशिया कप तीरंदाजी में भारत ने जीते तीन स्वर्ण पदक

सुलेमानिया। भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को यहां एशिया कप चरण दो में तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता।

परनीत कौर, अदिति स्वामी और साक्षी चौधरी की तिकड़ी ने कजाखस्तान को 204-201 से हराकर महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। प्रथमेश फुगे, ऋषभ यादव और जावकर समाधान की भारतीय पुरुष टीम ने एकतरफा फाइनल में बांग्लादेश को 224-218 से हराकर भारत के लिए दूसरा स्वर्ण पदक जीता। समाधान ने कांस्य पदक के प्ले आफ मुकाबले में सर्जेई खिस्टीच को 147-145 से हराकर दूसरा पदक जीता। समाधान के कांस्य पदक के साथ भारत ने कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में क्लीन स्वीप किया जहां प्रथमेश और ऋषभ बुधवार को स्वर्ण पदक के मुकाबले में भिड़ेंगे। भारत ने कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में तीसरा स्वर्ण पदक जीता जब प्रथमेश और परनीत की जोड़ी ने आदिल झेशेनबिनोवा और खिस्टीच की कजाखस्तान की जोड़ी को 158-151 से हराया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन बुधवार को भारतीय तीरंदाज सात स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए दिल्ली को जीत जरूरी

नई दिल्ली। पिछले मैच में मिली हार को भुलाकर दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए बुधवार को राजस्थान रॉयल्स को हराने के इरादे से उतरेगी जबकि रॉयल्स जीत की लय को कायम रखना चाहेंगे। दिल्ली ने 11 में से छह मैच गंवाये हैं और अंकतालिका में पांचवें स्थान पर होने के बावजूद उनकी प्लेऑफ की राह उतनी आसान नहीं है। सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के इतने ही मैचों में दस अंक है। दिल्ली का नेट रनरेट प्लस 0.150 है लेकिन उसे अगले तीनों मैच जीतने होंगे। दूसरी ओर राजस्थान 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है और उसे क्वॉलीफाई करने के लिए दो ही अंक की जरूरत है। उसका रनरेट भी प्लस 0.326 है जो आखिरी गणना में उपयोगी साबित हो सकता है। इस सत्र में दिल्ली की टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाने में नाकाम रही है। सनराइजर्स को हराने के बाद वह चेन्नई सुपर किंग्स से 91 रन से हार गई। डेवोन कॉवे के खिलाफ उसके गेंदबाज बेबस नजर आये और चेन्नई ने चौकों छल्लों की बौछार लगाकर 200 से अधिक रन बना डाले।

शापोवालोव ने दर्शकों को कहे अपशब्द, अंपयार से बदसलूकी

इटालियन ओपन के पहले दौर में लोरेंजो सोनेगो को हराया

नई दिल्ली। कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने इटालियन ओपन टेनिस के पहले दौर में संहिता का उल्लंघन किया लेकिन लोरेंजो सोनेगो को 7-6, 3-6, 6-3 से हराने में कामयाब रहे। दूसरे सेट में चेयर अंपायर को लाल क्लेकोर्ट पर विरोधी खिलाड़ी की साइड दिखाने के लिए वह नेट के ऊपर से कूद गए थे जो खेलभावना के विपरीत आचरण माना जाता है।

अंपायर ने शापोवालोव की सर्विस को बाहर करार दिया था जिससे उनके डबलफाल्ट पर सोनेगो को ब्रेक प्वाइंट मिला। शापोवालोव वह सेट हार गए। उन्होंने हालांकि बाद में अपने आचरण के लिए अंपायर से माफी मांगी। अब उनका सामना जॉर्जिया के निकोलोज बासिलाश्विली से होगा जिन्होंने डेनियल इवांस को 7-6, 6-2 से हराया। मैच के दौरान शापावालोव एक दर्शक पर भी भड़के, उन्होंने अपशब्द का उपयोग कर कहा कि इसे बाहर निकालो। बाद में शापोवालोव ने कहा कि वह मुझे बाहर भेजने के लिए कह रहा था। मैंने अंपायर से शिकायत की लेकिन उन्होंने कहा कि मैंने दर्शक को ऐसा करते नहीं देखा। डेनिस ने कहा कि अंपायर को बॉस्केटबाल (एनबीए)की तरह मैच के दौरान ऐसे दर्शकों पर नजर रखनी चाहिए। तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका ने रीली ओपेलका को 3-6, 7-5, 6-2 से मात दी। डोमिनिक थियेम को इटली के फेबियो फोगनिनी ने 6-4, 7-6 से हराया। अब उनका सामना हमवतन जानिक सिनेर से हो सकता है। महिला वर्ग में 2020 की चैंपियन सिमोना हालेप ने एलिजे कोर्नेत को 6-4, 6-4 से हराया जबकि विक्टोरिया अजारेंका ने विक्टोरिया गोलुबिच को 6-3, 6-0 से मात दी। कोको गॉफ ने एंजेलिक कर्बर को 6-1, 6-4 से हराया।

सीएसए ने वापस लिये मार्क बाउचर के खिलाफ दुराचरण के आरोप

जोहानसबर्ग। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने पुरुष टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर पर लगे नस्लभेदी मामलों में दुराचरण के आरोपों को औपचारिक तौर पर और पूर्णतया वापस ले लिया है। इस गतिविधि से एक हफ्ते बाद उनके साथ अनुसूचित अनुशासनात्मक सुनवाई की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही एसजेएन सुनवाइयों में उनका नाम नस्लभेदी मामलों में आने के बाद सीएसए ने उन्हें अपने पद से हटाने की जो मांग की थी उसे भी खारिज कर दिया गया है। सीएसए ने पाया कि इन आरोपों के प्रमुख किरदार रहे पूर्व सहायक कोच इनॉक अंकवे और बाउचर के टीममेट रह चुके पॉल एडम्स के सुनवाई में आकर बयान ना दिए जाने पर यह आरोप कमजोर पड़ चुके थे। उनकी ताकत और कम हुई जब एक मध्यस्थता प्रक्रिया के बाद पूर्व कप्तान और सीएसए के क्रिकेट निदेशक रहे ग्रीम स्मिथ को भी दुराचरण के आरोपों से बरी कर दिया गया था।

उबेर कप के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंची भारतीय महिला टीम

अमेरिका को 4-1 से हराया

बैंकॉक। भारतीय महिला टीम ने ग्रुप डी के मुकाबले में अमेरिका को 4-1 से हराकर बैंकॉक में खेले जा रहे टूर्नामेंट में बीडब्लूएफ उबर कप के क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश किया। पहले मैच में कनाडा को 4-1 से हराने वाली भारतीय टीम की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे ग्रुप में उसका शीर्ष दो में रहना तय हो गया है । इस दौर में दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी पीवी सिंधु ने ग्रुप डी में जीत के साथ शुरुआत की। उन्होंने जेनी गई को महज 26 मिनट में 21 - 10, 21 - 11 से हराकर भारत को जीत के साथ शुरूआत दिलाई।

दूसरे मैच में भारत की महिला जोड़ी का सामना अमेरिकी खिलाड़ियों से था। भारत की तनीशा क्रास्टो और त्रिशा जॉली ने फैंसेस्का कोरबेट और अलीसन ली की जोड़ी को 34 मिनट में 21-19, 21-10 के अंतर से हरा दिया। इसके साथ ही भारत की बढ़त 2-0 हो चुकी थी और अगले तीन मुकाबलों में भारत को सिर्फ एक जीत की जरूरत थी और अगले ही मैच में आकर्षि कश्यप ने इस्टर शी को हराकर भारत की जरूरत पूरी कर दी। उन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी को 34 मिनट के अंदर 18-21, 11-21 के अंतर से हराया। सिमरन सिंघी और रितिका ठाकेर की युवा जोड़ी लौरेन लाम और कोडी तांग ली से 12-21, 21- 17, 13 - 21 से हार गई। आखिरी मैच में अष्मिता चालिहा ने नताली चि को 21 -18, 21-13 से हराया। भारतीय महिला टीम का सामना आखिरी ग्रुप मैच में बुधवार को कोरिया से होगा ।

केके तिवारी जेयू की खेल गतिविधियों से प्रतिबंधित

भोपाल। भिंड जिले के आलमपुर शासकीय महाविद्यालय में पदस्थ क्रीड़ा अधिकारी केके तिवारी को जीवाजी विश्वविद्यालय की खेल गतिविधियों से प्रतिबंधित कर दिया गया है। जीवाजी विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम के खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भागीदारी नहीं कर पाना कारण बना है। मंगलवार को विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में करीब डेढ़ दर्जन प्रकरणों में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय क्रीड़ा अधिकारी केके तिवारी को प्रतिबंधित करने का रहा। गौरतलब है कि बेंगलुरू में 23 अप्रेल से 4 मई तक हुए दूसरे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में जीवाजी विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम कोच परमजीत सिंह और मैनेजर केके तिवारी के कारण भाग लेने से वंचित हो गई। जबकि विवि की यह टीम उदयपुर में हुई अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन हॉकी स्पर्धा की चैंपियन है। इस टीम के खेलों इंडिया में भी शर्तिया पदक जीतने की संभावना थी। यहां बता दें अभा अंतर विवि हॉकी स्पर्धा में जीवाजी विवि की इसी टीम ने ग्वालियर की ही आईटीएम यूनिवर्सिटी टीम को हराकर खिताब जीता था और इसी आईटीएम यूनिवर्सिटी टीम ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक जीता है। इन दोनों टीमों सहित बेंगलुरू खेला इंडिया गेम्स में भाग लेने वाली अनेक टीमों में खिलाड़ी कम थे, लेकिन उन्होंने पूरा प्रोसिजर अपना कर टीम पूरी की और भाग लिया, लेकिन जीवाजी विश्वविद्यालय के कोच परमजीत सिंह और मैनेजर केके तिवारी ने प्रोसिजर पूरा नहीं किया, जिसके कारण खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में जहां जीवाजी विवि की मदनामी हुई वहीं विवि एक अहम सफलता से वंचित रह गया। मंगलवार को कुलपति प्रो अविनाश तिवारी की अध्यक्ष में हुई ईसी बैठक में जहां सभी सदस्यों ने क्रीड़ा अधिकारी केके तिवारी के विवि गतिविधियों से प्रतिबंधित किया गया वहीं विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग से टीम चयन से लेकर टीम के खेलो इंडिया गेम्स में भागीदारी नहीं हो पाने की रिपोर्ट तलब की है। यह भी फैसला हुआ कि पूरी प्रकरण से राज्य शासन को अवगत कराया जाएगा, जिससे क्रीड़ा अधिकारी तिवारी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

जेयू वुमंस टीम का खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भाग नहीं ले पाना बनी वजह

ऋषभ पंत को रसेल मोड में बल्लेबाजी करने की जरूरत: रवि शास्त्री

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सुझाव दिया है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईपीएल 2022 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की मदद करना चाहते हैं, तो उन्हें बिना सोचे आंद्रे रसेल की तरह बल्लेबाजी करनी होगी। शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि एक बार पंत रन बनाने की गति पकड़ लेंगे, तो उन्हें उस गति को नहीं रोकना चाहिए, साथ ही उन्हें इस प्रारूप में आंद्रे रसेल मोड में बल्लेबाजी करनी चाहिए। उन्होंने कहा, पंत को कहा कि अगर आप किसी गेंदबाज को हिट करना चाहते हैं, तो हिट करें, इसके लिए ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आप लोगों की अपेक्षा से अधिक मैच जीत सकते हैं।

शाकिब कोरोना संक्रमित, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट से बाहर

ढाका। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच से बाहर कर दिया गया, क्योंकि वह कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। 35 वर्षीय शाकिब सोमवार को यूएसए से लौटे थे और उनके मंगलवार को बांग्लादेश टीम में शामिल होने की उम्मीद थी। हालांकि, दो बार संक्रमित पॉजिटिव रिपोर्ट देने के बाद ऑलराउंडर को आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है। कोरोना प्रोटोकॉल के तहत उन्हें अगले पांच दिनों तक आइसोलेशन में रहना होगा।

तीन टी20 खेलने भारत आएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन टी20 खेलने सितंबर में भारत आएगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम की इस सीरीज को टी20 विश्व कप की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ घर में सीरीज खेलेगी और इसके बाद सितंबर में भारत आएगी। इस सीरीज को अक्टूबर और नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा है। अगले साल, फरवरी और मार्च में ऑस्ट्रेलियाई टीम चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने भी भारत आएगी। भारत को नौ जून से 19 जून तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर पर पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद दो टी20 मैचों के लिए आयरलैंड का भी दौरा करना है। वहीं एक जुलाई को भारतीय टीम को पिछले साल कोविड की वजह से स्थगित हुआ पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच खेलने इंग्लैंड जाना है। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज भी होगी।

ओमप्रकाश राजभर द्वारा क्षत्रियों का अपमान बर्दाश्त से बाहर हो चुका है- राजकुमार सिंह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा गाजीपुर के युवा जिला अध्यक्ष राज कुमार सिंह के नेतृत्व में आज दिन बुधवार 11 मई को कासिमाबाद ब्लाक एवं बाराचवर ब्लॉक के संगठन के कार्यकताओं का प्रतिनिधि मंडल ग्राम सभा गोसलपुर थाना करीमुद्दीनपुर पहुंचा। वहां पहुंचकर वहां के पीड़ित लोगों से मिलकर कल की घटना के बारे में पूरी बारीकी से जानकारी ली तथा वहां के लोगों से बातचीत किया। उसके बाद क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद एवं थाना प्रभारी करीमुद्दीनपुर से भी बातचीत की। इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष ने बताया कि कल की घटना ओमप्रकाश राजभर विधायक जहुराबाद और उनके 3 साथियों द्वारा पहले से ही प्रायोजित की गई थी। यह घटना सोची समझी राजनीति के तहत की गई घटना थी, क्योंकि पिछले दिनों चुनाव से पहले वहां पर विधायक जी का

विरोध किया गया था। जिस पर उसकी खुन्नस निकालने के लिए वहां के दो लड़कों जो की क्षत्रिय थे। उनको रोक कर जबरदस्ती उनसे गाली-गलौज कर मारपीट की गई और उल्टा उन्हीं लोगों को फंसाने के लिए वह धरने पर बैठ गए तथा वहां के वर्तमान प्रधान एवं पूर्व प्रधान द्वारा लोगों को उकसा कर बड़ी घटना कराने का प्रयास किया गया, लेकिन वह नहीं हो सका। जिस पर विधायक ने स्थानीय लोगों को धमकाने का प्रयास किया तथा यह कहा गया कि 4 घर क्षत्रिय हैं, इनको सबक सिखाया जाएगा। इस पर युवा जिला अध्यक्ष ने कहा कि उनकी मां ने अभी तक दूध नहीं पिलाया है कि क्षत्रियों को सबक सिखा सके। क्षत्रियों के बारे में अपशब्द भाषा का प्रयोग करना इनकी आदत बन चुकी है, जो कि अब बर्दाश्त से बाहर है। अब हम लोग अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर फिर ऐसी घटना हुई तो हम लोग उन को छोड़ेंगे नहीं और यहां पर किसी को डरने और घबराने की जरूरत नहीं है। संगठन हमेशा साथ खड़ा है और अगर ओमप्रकाश राजभर नहीं सुधरे तो जहुराबाद तो छोड़ो संगठन जिस दिन अपने आप पर आया तो उनको जनपद में भी घुसने नहीं दिया जाएगा। इसी के साथ प्रतिनिधि मंडल ने थाना प्रभारी से मिलकर इस बात की चेतावनी दी गई कि अगर फिर ऐसी कोई घटना हुई और बेकसूर क्षत्रियों को फसाने की कोशिश की गई या उनके साथ को दुर्व्यवहार किया गया तो हम लोग प्रशासन की ईंट से ईंट बजा देंगे। हम कभी किसी को छेड़ते नहीं है, लेकिन जो हमें छेड़े उसको छोड़ते भी नहीं है।

इस मौके पर कासिमाबाद ब्लाक प्रभारी भूपेंद्र सिंह, अनिल सिंह, अभिजीत सिंह, पप्पू सिंह, गोलू सिंह, बाराचावर प्रभारी अशोक सिंह, छोटेलाल सिंह, अभिषेक सिंह, विश्वजीत सिंह व मनीष सिंह के साथ-साथ स्थानीय लोग भारी संख्या में मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत वृहद सामूहिक विवाह कार्यक्रम का होगा आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने जनपद के समस्त जनपद वासियों से अपील किया है कि दिनांक 27 मई 2022 एवं 10 जून 2022 को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत एक वृहद सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग के निराश्रित/निर्धन परिवारों के विवाह योग्य कन्या तथा विधवा/परित्यक्ता/तलाकशुदा महिलाओं के विवाह हेतु अनुदान योजना के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते हुए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत पात्र होगे वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित जोड़ों को उपहार स्वरूप सामग्री एवं कन्या के बैंक खाते में रू0 35000.00 दी जायेगी। इच्छुक पात्र जोड़े अपना रजिस्ट्रेशन संबंधित विकास नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत में आवेदन/रजिस्ट्रेशन कराना सुनिश्चित करे। पात्रता की अन्य शर्ते निम्नवत है, जिसमें कन्या के अभिभावक निराश्रित निर्धन तथा जरूरतमन्द हो, आवेदक के परिवार की आयु रू० 2.00 लाख के अन्तर्गत हो, विवाह हेतु कन्या की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक एवं वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होनी अनिवार्य है।

आयु की पुष्टि के लिए स्कूल शैक्षणिक रिकार्ड जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉबकार्ड, आधार कार्ड मान्य होगा। इस योजना के अन्तर्गत परिवारों के कन्या का विवाह/ विधवा/परित्यक्ता/तलाकशुदा जिसका कानूनी रूप से तलाक हो गया हो, का पुनर्विवाह कराया जाना है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, विवाह हेतु निराश्रित कन्या विधवा महिला की पुत्री दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री ऐसी कन्या जो स्वयं विकलांग हरे को प्राथमिकता दी जायेगी।

जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा को फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति द्वारा किया गया सम्मानित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रधानमंत्री स्वानिधि योजना में वाराणसी के प्रथम स्थान प्राप्त करने पर यशस्वी प्रधानमंत्री जी द्वारा वाराणसी जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा को प्राप्त सम्मान के उपरान्त 11मई बुधवार को फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संरक्षक अजय सिंह (बॉबी) जी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा जी को राइफल क्लब में बुके,अंगवस्त्रम व प्रभु श्रीराम मूर्ति भेंट कर शुभकामनाएं दी। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम ने कहा कि वाराणसी जिलाधिकारी जी को यशश्वी प्रधानमंत्री से प्राप्त हुए सम्मान से पूरे शहर भर के स्ट्रीट वेंडर काफी उत्साहित है` सम्मान समारोह में मुख्य रुप से फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संरक्षक प्रकाश कुमार श्रीवास्तव ,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति अध्यक्ष राजेंद्र

प्रसाद सिंह महादेव जी, फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर सिन्हा , फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम, विकास यादव, कमलेश जायसवाल उपस्थित थे।

अभियुक्त को चोरी के गहनों के साथ किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आर.पी.एफ व जी.आर.पी की सयुंक्त टीम ने एक अभियुक्त के पास से चोरी का सामना बरामद किया है। इस बाबत जी.आर.पी. प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मंगलवार की रात्रि में आर.पी.एफ. व जी.आर.पी. पुलिस बोगियों व रेलवे स्टेशन पर चेकिंग कर रहीं थी। चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति सग्दिंध लगने पर उससे पूछताछ व उसकी तलाशी ली गई तो उस के पास एक मंगलसूत्र दो अनूठी बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि यह चोरी की गई है, जिसे वह बेचने के लिए जा रहा था। गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना नाम राकेश राम पुत्र रामा शंकर राम निवासी बहादुरपुर थाना हल्दी जनपद बलिया बताया।

बृहस्पति फाउंडेशन का 4 वर्ष पूर्ण, अब तक 30 हजार से अधिक लोगो को सरकार की योजनाओं का दिला चुके है लाभ!

प्रखर वाराणसी। बृहस्पति फाउंडेशन द्वारा भारत सरकार की योजनाओं , मिशन प्राइमरी एजुकेशन, भर दो खाली पेट ,मानवता की सेवा मुख्य रूप से जरूरतमंद लोगों तक पहुँचाया जा रहा है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्र अमित प्रजापति विज्ञान में स्नातक करने के बाद आगे की पढ़ाई स्नातकोत्तर सामाजिक बहिष्करण व समावेशी नीति से किया, साथ ही अपने पढ़ाई के दौरान एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) की स्थापना की जिसका नाम बृहस्पति फाउंडेशन रखा। इस फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य समाज को मुख्य धारा मे लाना है। अब तक लगभग ३० हजार से अधिक लोग बृहस्पति फाउंडेशन के माध्यम से सरकार के योजनाओं का लाभ ले चुके है। जिनमे मुख्य रूप से खाद्य प्रसंस्करण विभाग, श्रम कार्ड , बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ , सुकन्या योजना आदि। मिशन प्राइमरी एजुकेशन

मुहिम के तहत गरीब बच्चों को निः शुल्क शिक्षा सामग्री के साथ -साथ रोजाना क्लास चलाई जाती है। वर्तमान मे वाराणसी के अमरा खैरा व शिवपुर मे क्लास चलाई जा रही है। भर दो खाली पेट मुहिम के तहत वाराणसी मे जरूरतमंद व्यक्ति को पौष्टिक भोजन करवाया जाता है। मानवता ही सेवा इस मुहिम के तहत जरूरतमंद का मुफ़्त इलाज , विवाह में सहयोग, वस्त्र वितरण आदि करके किया जाता है। सभी मुहिम को सफल बनाने मे बृहस्पति फाउंडेशन के सदस्य अभिषेक सिंह , अमित यादव, संस्कृति त्रिपाठी, निखिल यादव , सुशील बिंद,रोहित सोनी , आलोक रंजन, सोनाली प्रजापति, प्रशांत धवन , अंकुर कुमार, वन्दना सिंह आदि लोग के सहयोग से हो रहा है।

डेहरी गांव में चौपाल लगाकर अधिकारियों ने सुनी ग्रामीणों की समस्या

सरकार के विभिन्न योजनाओं से लोगो को किया गया जागरूक, चौपाल के दौरान 40 किसानों का बनवाया गया किसान क्रेडिट कार्ड

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के डेहरी गांव में बुधवार की दोपहर ग्राम प्रधानपति फरहान अहमद की अध्यक्षता में

अधिकारियों ने चौपाल लगाकर सुनी लोगो की समस्या। बता दें कि एड़ीओ (का) अशोक सिंह ने सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में लोगो को जागरूक करते हुए बताया की सरकार की मंशा है की गांव में जो पात्र है उन्हे सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ मिल सके साथ ही जिन लोगो के पास राशन कार्ड है अगर वह अपात्र की श्रेणी में आते हैं तो वह अपनी स्वेक्षानुसार अपना राशन कार्ड जमा करा दे नही तो अगर सत्यापन के दौरान अपात्र पाये गए तो उनको 2011 से अबतक का जुमार्ना भरना पड़ जायेगा।उन्होंने बताया की गांव में अगर किसी भी व्यक्ति को सर्पदंस, तालाब में डूबने व अकाशी बिजली के लगने से मौत हो जाती है तो उसका पोस्टमार्टम आप लोग जरूर करवाएं ताकि उस व्यक्ति के परिवार को सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ मिल सके।उपस्थित ग्रामवासियों ने बारी बारी से अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा ज्यादातर सड़क, नाली सोखता व आवास संबंधित सिकायते रही लोगो की समस्यायों को सुन जल्द ही धन आवंटित होने पर समस्याओं का निस्तारण करने की बात को कही। चौपाल के दौरान 40 किसान क्रेडिट कार्ड बनवाया गया। इस अवसर पर अशोक सिंह एडीओ (एग्रीकल्चर), मुमताज अहमद एडीओ पंचायत, सचिव जयेश यादव, आसिफ अंसारी, शिवकुमार, हल्का लेखपाल त्रिभुवन यादव, सीडीपीओ रीता सिंह, अजय शंकर प्रजापति प्राविधिक सहायक कृषि व सूरज सिंह बीएमएम समेत भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

वृद्धावस्था पेंशन योजना से संबंधित समस्त लाभार्थियों के लिए आवश्यक सूचना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला समाज कल्याण अधिकारी राम नगीना यादव गाजीपुर ने बताया है कि वृद्धावस्था पेंशन योजना से संबंधित समस्त लाभार्थियों को सूचित किया जाता है कि एकीकृत पेंशन पोर्टल https://sspy-up.gov.in के अन्तर्गत वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2022-23 से बिना आधार प्रमाणीकरण एवं आधार सीडिंग के पेंशन का भुगतान निदेशालय, समाज कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा नही किया जायेगा। उन्होने लाभार्थियों से अनुरोध किया है कि अपने नजदीकी जन सुविधा केन्द्र, साइबर कैफे में जाकर पेंशन पोर्टल पर अतिशीघ्र आधार प्रमाणीकरण अवश्य करा ले। साथ ही अपनी पेंशन से संबंधित बैंक की शाखा में जाकर अपने आधार विवरण की प्रति बैंक में जमा करके अपने खाते की आधार सीडिंग भी अवश्य करा लें। आधार प्रमाणीकरण एवं बैंक खाते से आधार सीडिंग न होने की स्थिति में पेंशन की अगली किश्त का भुगतान संभव नहीं होगा।

रोजगार मेला में 27 अभ्यार्थियों का हुआ चयन

प्रखर संत कबीर नगर ।प्रधानाचार्य आई0टी0आई0 संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि संस्थान से उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों को रोजगार प्रदान करने के लिए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मेंहदावल, सन्त कबीर नगर के परिसर में कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राइव का आयोजन किया गया। उक्त प्लेसमेन्ट ड्राइव में आई0टी0आई0 के विभिन्न ट्रेडों के 85 प्रशिक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया। आयोजित प्लेसमेन्ट ड्राइव में जय भारत मारूती प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात तथा बड़वे प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात के प्रतिनिधियों द्वारा प्रशिक्षार्थियों का साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार हेतु इलेक्ट्रीशियन, आई0टी0, टेक्नीशियन पॉवर इलैक्ट्रानिक्स सिस्टम, मैके0 कन्ज्यूमर इलैक्ट्रानिक एप्लान्सेस तथा मैकेनिक रेफ्रिजरेटर एअर कंडीशनर आदि व्यवसाय के प्रशिक्षार्थी उपस्थित हुए। साक्षात्कार उपरान्त 27 अभ्यर्थियों का चयन टेक्नीशियन/आपरेटर के पद पर किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य, संतोष कुमार श्रीवास्तव द्वारा चयनित अभ्यर्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। रोजगार मेले में प्लेसमेंट प्रभारी, जय सिंह सोनकर, अजय कुमार राना, प्रेमशंकर, संतोष कुमार शर्मा, अनिल कुमार, जितेन्द्र उपाध्याय, भीष्म सिंह, प्रघट नाथ यादव, मुनव्वर अली आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने निराश्रित गोवंशो के भरण-पोषण हेतु गोशालाओं में भूसा दान देने की किया अपील

प्रखर संत कबीर नगर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने जनपद के सभी सम्मानित ग्रामवासियों, मा0 जनप्रतिनिधियों, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, समाजसेवियों एवं उद्यमियों से गोशालाओं/गोआश्रय स्थलों में यथासामर्थ्य भूसा दान देने की अपील की है। जिलाधिकारी ने मा0 मुख्यमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजनान्तर्गत जनपद में संचालित गोआश्रय स्थलों में सरंक्षित निराश्रित/बेसहारा गोवंशो के भरण-पोषण हेतु भूसा दान देने की अपील करते हुए कहा कि निराश्रित गोवंशो को निर्वाध रूप से पूरे

साल भरण-पोषण हेतु भूसा भण्डारण की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जनपद में गेहूँ कटाई व भूसा बनाने का कार्य चल रहा है तथा क्षेत्र में कृषकों के पास पर्याप्त भूसा उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसान भाई अपने खण्ड विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी या स्वंय उनसे सम्पर्क कर गोशालाओं को भूसा दान कर सकते है। उन्होंने कहा कि गोआश्रय स्थलों में संरक्षित निराश्रित/बेसहारा गोवंशो के भरण-पोषण हेतु भूसा दान कर अन्य धार्मिक कार्यो के साथ-साथ इस पुनीत कार्य में भागीदार बनकर पुन्य के भागी बने। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद स्तर पर सर्वाधिक भूसा दान देने वाले दानदाताओं को उप जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं स्वयं उनके द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

आईजीएल के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के मार्गदर्शन व नेतृत्व में अग्निशमन उपकरणों का हुआ सफल परीक्षण

प्रखर गोरखपुर। जनपद गोरखपुर के गीता औद्योगिक क्षेत्र में आईजीएल में लग रहे ग्रेन प्लांट में अग्नि की घटनाओं की रोकथाम हेतु 50 लाख का फायर हाईड्रेन्ट लाइन का निर्माण कराया गया है, और आज इसका परीक्षण नवागत प्लांट महाप्रबंधक एपी मिश्रा की उपस्थिति में किया गया तथा परीक्षण में सभी उपकरण संचालित अवस्था में पाए गए।आईजीएल के बिजनेस हेड के सेवाभाव एवं सहयोग की भावना से प्रतिदिन गीडा फायर की फायर ब्रिगेड को आईजीएल प्लांट से पानी की उपलब्धता कराई जाती है जिसका मूल उद्देश्य गीडा में निर्मित कारखानो एवं आस पास के गावो में होने वाली आगजनी की घटनाओ की रोकथाम की जा सके और मानव जीवन एवं आर्थिक नुकसानों को होने से रोका जा सके। यह परीक्षण प्रबन्धक प्रशासन एवं जनसंपर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा एव फायर अधिकारी रणधीर सिंह के द्वारा किया गया था। उक्त परीक्षण में आइजीएल कई तरफ से , तकनीकी हेड शैलेश चंद, अनुरुद्ध सिंह, जगदीश चंद धाकड़, अरुण चतुर्वेदी, कविता, बाबूराम, डॉ कमलेश सिंह, आशीष गुप्ता इत्यादि शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा के रामराज्य में दलित उपेक्षा का हो रहा शिकार- मिठाई लाल भारती (राष्ट्रीय अध्यक्ष) समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी

प्रखर वाराणसी। वर्तमान सरकार के दलित विरोधी नीतियों का विरोध करते हुए समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने सरकार पर तंज कसते कहा आज भी इस भाजपा के रामराज्य में दलित उपेक्षा का शिकार हो रहा है ।कासगंज में घोड़ी पर बारात निकालने पर हिंसा होती है । हाथरस में दलित बेटी से साथ अवमाननिय व्यवहार किया जाता है और जाति विशेष के लोग पुलिस के मौजूदगी में धमकाते देखे जाते हैं । ताजा मामला मुजफ्फरनगर का है जहां एक भाजपा समर्थित प्रधान द्वारा मुनादी करवाकर दलितों को उनके अधिकार से रोकने की धमकी दी जा रही है और सरकार केवल घंटा , अजान , लाउडस्पीकर में लोगों को उलझा कर दलितों , पिछड़ों का हक मारा जा रहा है । अगर ऐसी कोई घोषणा समाजवादी नेता या कार्यकर्ता ने गलती से भी किया होता तो अब तक सरकार बुलडोजर लेकर अपना तांडव शुरू कर देती । लेकिन भाजपा के गुडों के आगे बेबस और लाचार दिख रही योगी सरकार को दलितों का उत्पीड़न दिखाई नही देता है । अब इस भाजपा के दलित विरोधी नीतियों का खुलकर विरोध होगा और दलित समाज के सम्मान से खिलवाड़ करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा।

चोलापुर : सामुदायिक शौचालय एवं स्नानागार का उद्घाटन होने से आमजनों को राहत

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्थित सामुदायिक सुलभ शौचालय का स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय एवं स्नानागार का उद्घाटन चोलापुर सेक्टर नम्बर 4 के जिला पंचायत सदस्य श्री राजेश सिंह के द्वारा किया गया इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि व भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री चंद्रशेखर सिंह, भोलानाथ

उपाध्याय, भरत जायसवाल, राहुल जायसवाल, धर्मनाथ, चोलापुर अधीक्षक डा.आर बी यादव, डा. राजेश जायसवाल एवं अस्पताल के समस्त स्वास्थ कर्मी क्षेत्रवासियों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पधारे सभी लोगों का जिला पंचायत सदस्य राजेश सिंह के द्वारा आभार प्रकट किया गया।

स्तनपान के लिए निकाली गई रैली, हुई संगोष्ठी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। बाल विकास विभाग द्वारा चलाये जा रहे "पानी नही केवल स्तनपान" अभियान के तहत बुधवार को पिंडरा ब्लॉक के एक दर्जन गांवों में जनजागरूकता रैली व संगोष्ठी आयोजित कर गर्भवती व धात्री महिलाओं को जागरूक किया गया। इस दौरान महिलाओं को स्तनपान से होने वाले फायदे को बताते हुए सुपरवाइजर शीला यादव व अनिता सिंह ने कहाकि परिवार के सदस्य व माताओ द्वारा दूध की जगह शहद, चीनी का घोल आदि दिया जाता है जिससे कारण शिशुओं में कई प्रकार के संक्रमण फैलने की आशंका होती है जो कि शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए घातक होती है। जबकि शिशुओं को 6 माह तक केवल स्तनपान कराना चाहिए। जिससे शिशु स्वस्थ रहने के साथ उसके अंदर रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ेगी। क्षेत्र के पिंडरा, असिला, गोड़िया, बिंदा, सुरही बैकुंठपुर व जमापुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नवजात शिशुओं का वजन करने के साथ उनका स्वास्थ्य कार्ड भी बनाया गया। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ती मंजू देवी, प्रमिला यादव,पुनिता यादव, रागिनी सिंह , रीता देवी समेत अनेक आंगनवाड़ी व सहायिका उपस्थित रही।

बुझ गया घर का चिराग, परिवार में पसरा मातम

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के अकबरपुर गांव में बुधवार की दोपहर वाराणसी में इलाज के दौरान 10 वर्षीय छात्र का निधन हो गया।गौरतलब हो कि गौरव पुत्र प्रेमचंद उम्र 10 वर्ष मंगलवार की दोपहर प्राथमिक विद्यालय अकबरपुर में छुट्टी के बाद अपने घर साइकिल से लौट रहा था तभी डेडूवाना मोड के समीप सरकी से केराकत की तरफ तेज रफ्तार से आ रही अज्ञात वाहन ने धक्का मार दी।अज्ञात वाहन के धक्के से छात्र साइकिल समेत सड़क के बगल खाई में जा गिरा आनन फानन में सामुदायिक केंद्र केराकत लाया गया जहा डॉक्टरों ने गंभीर स्थित देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।हालत में सुधार न होता देख वाराणसी रेफर कर दिया गया जहां इलाज के दौरान छात्र का निधन हो गया।मौत की खबर जैसे ही परिजनों को हुआ तो परिवार में हड़कंप मच गया रो रो कर परिजनों का बुरा हाल है आपको बता दे कि गौरव छ भाई बहनों में दूसरे नंबर का था परिजनों ने थाने में अज्ञात वाहन के खिलाफ तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है पुलिस तहरीर के आधार पर जांच पड़ताल में जुट गई।

उचित दर विक्रेताओं के दुकान तक खाद्यान्न पहुँचाने हेतु सिंगल स्टेज डिलीवरी योजना का हरी झंडी दिखाकर किया गया शुभारम्भ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शासन द्वारा सिंगल स्टेज डिलीवरी के अन्तर्गत भारतीय खाद्य निगम से सीधे उचित दर विक्रेताओं के दुकान तक खाद्यान्न पहुँचाने हेतु दिये गये निर्देश के क्रम में जनपद-गाजीपुर में आज 10 मई 2022 को जिला पूर्ति अधिकारी एवं जिला खाद्य विपणन अधिकारी, गाजीपुर द्वारा हरी झंडी दिखाकर योजना का शुभारम्भ करा दिया गया है। सिंगल स्टेज डिलीवरी के तहत जनपद-गाजीपुर के 16 विकासखण्डों एवं 8 नगर क्षेत्रों में कार्यरत कुल 1609 उचित दर विक्रेताओं को खाद्यान्न की आपूर्ति भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से सीधे उचित दर विक्रेताओ की दुकानों पर किया जाना है। इस योजना को सकुशल सम्पादन कराने हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करा दी गई हैं। इस कार्य का सकुशल सम्पदान हेतु क्षेत्रीय विपणन अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एवं पूर्ति निरीक्षकों के सहायोग से किया जायेगा। उन्होने जनपद-गाजीपुर के समस्त उचित दर विक्रेताओं को

निर्देशित किया जाता है कि सिंगल स्टेज डिलीवरी के माध्यम से ट्रकों से खाद्यान्न पहुँचने पर तत्काल उचित दर दुकान पर अनलोड करायें। साथ ही जिन उचित दर विक्रेताओं की दुकानों की चौहद्दी सड़क पर नहीं है वे लोग 7 दिन के अन्दर अपने उचित दर दुकानों की चौहद्दी नियमानुसार बदलवाकर ग्रामसभा के मुख्य रास्ते/सड़क पर निर्धारित करा लें। सिंगल स्टेज डिलीवरी के शुभारम्भ के अवसर पर खाद्य एवं रसद विभाग की पूरी टीम उपस्थित रही।

राज्यमंत्री की बार बार शिलापट्ट टूटने पर एसओ ने बैठाया पुलिस का पहरा

चार बार अराजकतत्वो ने डिप्टी सीएम और राज्यमंत्री की शिलापट्ट कर चुके है क्षतिग्रस्त

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। नगर के खुटहन मार्ग पर स्तिथ बारां मोड़ पर लोकनिर्माण विभाग द्वारा लगाया गया डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव का शिलापट्ट बार बार तोड़े जाने पर एसओ खेतासराय ने वहाँ पुलिस का पहरा बैठा दिया है। दो होमगार्ड के जवान रात्रि से सुबह तक अराजकतत्वों पर निगाह लगाए हुए है। हालांकि नगर के एक समाजसेवी सभासद ने दो बार अपने खर्च से बनवा चुके है। दो पुलिस के जवान द्वारा रात्रि में हर दिन शिलापट्ट की रखवाली से चर्चा का विषय बना हुआ है। दर असल सूबे के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव के प्रयास से पिछले कार्यकाल में लोकनिर्माण विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या की एक शिलान्यास बोर्ड उक्त ग्राम सभा के मोड़ पर पीडब्ल्यूडीविभाग ने लगवाई थी। 68 लाख से अधिक लागत से करीब 1.5 किमी तक यह सड़क बनकर तैयार भी हो गई है। देढ़ किमी दूरी तक बनी यह सड़क महरौड़ा सम्पर्क मार्ग को जोड़ता है। सूत्रों की मानी जाए तो यह शिलापट्ट चार माह के दरम्यान में चार बार अराजकतत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। दो बार तो नगर एक सभासद ने अपने खर्च से इसे निर्माण कर वा चुके है। स्थानीय भाजपा कार्यकताओं ने इस कि शिकायत पुलिस से की तो थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश रॉय ने दो होमगार्ड के जवान को इसे रखवाली करने के लिए लगवा दिया। शाम होते ही दो सप्ताह से उक्त शिलापट्ट की होमगार्ड के जवान रात्रि से सुबह तक ड्यूटी कर रहे है। इस बाबत पूछे जाने पर एसओ श्रीप्रकाश राय ने बताया कि बार बार शिलान्यास बोर्ड को अराजकतत्वों द्वारा तोड़ दिया जा रहा था, इस वजह से उन पर निगाह रखने के लिए होमगार्ड के जवानों को लगाया गया है। स्थानीय विधायक व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के विधानसभा क्षेत्र में उक्त शिलापट्ट की निगरानी क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सुभासपा राष्ट्रीय अध्यक्ष व उनके परिवार की सुरक्षा तत्काल बढ़ाई जाए - शशिप्रताप सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सुभासपा नेताओ के द्वारा जिलाधिकारी वाराणसी के मार्फत महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश कोई ज्ञापन दिया गया जैसा कि 10 मई को सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर विधायक जहूराबाद अपने विधानसभा क्षेत्र में जनता से मिलने के लिए जनता के दुख में द्वार करने के लिए निकले थे पहदरिया गोसलपुर गांव थाना करीमुद्दीनपुर गाजीपुर में एक मृतक परिवार के घर बैठे थे तभी उसी विधान सभा से कुछ अराजकतत्व ओमप्रकाश राजभर के साथ अभद्रता करने लगे और असम्मानित शब्द का प्रयोग करने लगे और विधानसभा में नहीं घुसने देने की धमकी देने लगे` सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर दूसरी बार 50000 वोटों से जीत कर जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि हैं जिनको जनता ने 50000 वोट से जीताया है उसी विधानसभा में सोची समझी साजिश के तहत उनके ऊपर कातिलाना हमला कराने की योजना बना कर हमलावर हमला का प्रयास किया गया` जिलाधिकारी वाराणसी से महामहिम राज्यपाल से राज्य सरकार से सुभासपा वाराणसी के कार्यकताओं ने मांग किया है कि हमारे नेता और उनके परिवार पर कभी भी जानलेवा हमला हो सकता है इसलिए उनकी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है और राज्य सरकार को उनकी सुरक्षा बढ़ाये ` आने वाले समय में कोई घटना घटी है तो इसकी जिम्मेदारी भी उत्तर प्रदेश की सरकार होगी` इस मांग को ज्ञापन के रूप में शशिप्रताप सिंह वरिष्ठ सुभासपा नेता के नेतृत्व में जिला मुख्यालय वाराणसी पर जिलाधिकारी महोदय को दिया गया है` मुख्य रूप से उपस्थित शशिप्रताप सिंह, रमेश राजभर, गणेश चौहान, जागेश्वर राजभर, राजेश यादव, रानी चौबे, छपन्न राजभर, संतोष प्रजापति, राजेंद्र पटेल, रवि पटेल, सुनील पटेल, महेंद्र राजभर, गुलाब पटेल, सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

डेढ़ माह पूर्व हुए हाइवे पर हुए ऑटो चालक के हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के पिंडरा बाईपास फोरलेन के किनारे नागापुर गांव के पास हुई ऑटो चालक की हत्या का बुधवार को क्राइम ब्रांच व थाना फूलपुर की संयुक्त पुलिस टीम नें खुलासा किया । डेढ़ माह बाद हुए घटना का खुलासा करने में पुलिस को 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और सर्विलांस का सहारा लेना पड़ा। फूलपुर थाना परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीओ पिंडरा अभिषेक पांडेय ने बताया कि थाना फूलपुर, क्राइम ब्रांच व सर्विलांस टीम द्वारा सूचना व कमांड सेन्टर से शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों से प्राप्त 150 सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्य के आधार पर बुधवार को अभियुक्त प्रमोद विश्वकर्मा पुत्र राजमन विश्वकर्मा ग्राम भुसौली (सुरही) थाना फूलपुर को मुखबिर की सूचना पर कैथौली मोंड के पास से हिरासत में लेकर हुई पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह वाराणसी कैंट से किराये पर ऑटो लेकर अपने घर के लिए निकला। लेकिन नागापुर के पास पेशाब करने के लिए ऑटो चालक रुका और उससे आगे जाने से मना किया। जिसपर बाद विवाद हो गया और फर्नीचर का काम करने के लिए पास रखे बसुला से प्रहार कर हत्या करने के बाद उसे सड़क के किनारे धकेल दिया और वहां से चला गया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त बसुला शर्ट और पैंट को भी बरामद किया। घटना का खुलासा करने में थाना फूलपुर के प्रभारी निरीक्षक मुन्ना राम, एसआई योगेन्द्र यादव के अलावा स्वाट टीम व सर्विलांस टीम शामिल रही । बताते चलें कि नागापुर गाँव के समीप वाराणसी-लखनऊ हाइवे के किनारे 23 मार्च 2021 को एक अज्ञात शव मिला था । उसकी शिनाख्त नन्दकिशोर गुप्ता निवासी चौबेपुर के रूप में हुई। मृतक के पुत्र आदित्य गुप्ता द्वारा दी गई तहरीर पर फूलपुर पुलिस द्वारा धारा 302, 201 के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी थी। तभी बुधवार को उक्त युवक के पूछताछ के बाद मामला खुला।

संतोष कुमार गुप्ता (सांसद प्रतिनिधि) ने राज्य मंत्री राकेश राठौर से लखनऊ कार्यालय पर मुलाकात की

प्रखर चंदौली। बताते चलें कि चंदौली जिला के संतोष कुमार गुप्ता जी ने राज्य मंत्री माननीय श्री राकेश राठौर जी समग्र विकास मंत्री उत्तर प्रदेश से उनके कार्यालय लखनऊ में मिलकर अपने चंदौली जिला के नगर विकास के लिए विस्तार से चर्चा किया और नगर के खस्ता हालत को देखते हुए विस्तारपूर्वक बताया और अधिकारियों के करतूतों से अवगत कराया .संतोष कुमार गुप्ता के बातों को सुनने के बाद माननीय मंत्री जी चन्दौली आने सा आश्वासन दिया और जगह जगह भ्रमण करने की बात कही और कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा आपको बताते चलें कि संतोष कुमार गुप्ता को भाजपा ने विधायकी का टिकट नहीं दिया संतोष कुमार गुप्ता को पूर्ण विश्वास था कि अबकी बार विधायकी का टिकट उनको मुगलसराय से लड़ने के लिए भाजपा देगी .लेकिन जब उनको टिकट नहीं मिला तो थोड़ा भी अफसोस नहीं हुआ लेकिन उन्होंने 1 समाजसेवी कार्यकत्रा बन कर लोगों का सहयोग करते रहे .फिर भी वह समाजसेवी बन कर क्षेत्र के विकास के लिए राज्य मंत्री माननीय श्री राकेश राठौर जी से मुलाकात करके क्षेत्र के विकास के लिए चर्चा किए और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ भी आवाज उठाए .उसके बाद भी अपने चंदौली के लिए संतोष कुमार गुप्ता बहुत कुछ करना चाहते हैं उन्होंने बताया कि हमको भाजपा से टिकट नहीं मिला तो क्या हुआ मैं क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्परता दिखाता रहूंगा और अपनी मेहनत से विकास कार्य के लिए लड़ता रहूंगा ऐसा लगता है कि ए 1 जनसेवक की सच्ची पहचान होती है और उन्होंने बताया कि मैं चंदौली के विकास कार्य के लिए अपनी तत्परता दिखाई देता रहूंगा .और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आवाज भी उठाता रहूंगा।

अब सीधे एफसीआई गोदाम से सीधे कोटे की दुकानों पर जाएगा खाद्यान्न

प्रखर वाराणसी। राशन की दुकानों पर अब ब्लाक के गोदाम से राशन नही भेजा जाएगा।कोटेदारो के कम खाद्यान्न गोदाम से मिलने की शिकायत पर शासन ने गम्भीरता से लिया है।अब खाद्यान्न सीधे एफसीआई से ट्रको से सीधे कोटे की दुकान पर जाएगा।सदर तहसील हाल में कोटेदारो को बैठक में सम्बोधित करते हुए जिलापूर्ति अधिकारी उमेश चन्द्र मिश्र ने उक्त बातें कही।उन्होंने बताया कि वाराणसी जनपद में 12 मई से 1 स्टेप डिलवरी योजना लागू की जा रही है।ट्रक से सीधे कोटे की दुकानों पर खाद्यान्न जाने से कम राशन मिलने की शिकायत दूर होगी।कोटेदार अपनी दुकानें में सड़क पर करले उसकी चौहद्दी स्वीकृत करा लें।में रास्ते पर कोटे की दुकानें होने से खाद्यान्न पहुचाने में कठिनाई नही होगी।कोटेदार सही वजन में राशन प्राप्त करेंगे व सही मात्रा में वितरण करेंगे।जिलापूर्ति अधिकारी ने कहा कि शिकायते आ रही है कि कोटेदार अंगूठा लगवाने के पश्चात दूसरे दिन राशन देते है दौड़ाते है।अगर यह शिकायत जांच के दौरान सही मिली तो अवश्य कार्रवाई होगी।इस दौरान क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी विवेक कुशवाहा, कोटेदार संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी, दिलीप गिरी सहित सैकड़ो कोटेदार उपस्थित रहे।

चोरी कर भाग रही महिला को लोगों ने पकड़ कर किया रेलवे पुलिस के हवाले

प्रखर गोरखपुर। गोरखपुर पीपीगंज लखनऊ मंडल के रेलवे स्टेशन पीपीगंज पर गाड़ी संख्या 5447 गोरखपुर से सुभागपुर जा रही ट्रेन से पीपीगंज रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के रुकते ही

एक महिला यात्री का पर्स लेके भाग रही थी शोर करने पर राहगीर अरविंद अग्रहरि द्वारा महिला चोरनी को पकड कर रेलवे पुलिस को सौंप दिया। इस संबंध में आरपीएफ प्रभारी से बात करने पर बताया गया कि कोई शिकायत पत्र न मिलने के कारण महिला को छोड़ दिया गया। महिला को छोड़ देना चर्चा का विषय बना हुआ है।

शहरी आवास योजना के लाभार्थियों से की जा रही पैसों की मांग

मांग पुरा ना होने पर कर्मचारियों द्वारा अगली किस्त ना आने की दी जा रही धमकी, लाभार्थियों से पैसा मांगने का वीडियो हुआ वायरल

प्रखर जौनपुर। नगर पंचायत रामपुर में शहरी आवास योजना के लाभार्थियों से कर्मचारियों व उनके दलालों द्वारा पैसों की मांग की जा रही है। पैसा ना मिलने पर उनके द्वारा लाभार्थियों को अगली किस्त न आने तक की धमकी दी जा रही है। जिसे लेकर कुछ दिनों पूर्व नगर पंचायत रामपुर के सहनपुर गांव के लाभार्थियों ने जमकर हंगामा किया था। लाभार्थियों का आरोप है कि वर्तमान में तैनात जेई शशांक सिंह व उनके दलालों द्वारा प्रत्येक लाभार्थियों से आवास के किस्तों में से तीस हजार रुपये की मांग की जा रही है। पैसा ना देने पर अगली किस्त ना आने की धमकी भी दी जा रही है। जिसे लेकर नाराज लाभार्थी कमला देवी, मोमिना, मुन्नी देवी, मिथिला देवी, प्रेमा देवी, मीरा देवी आदि लोगों ने कुछ दिनों पूर्व जमकर विरोध प्रदर्शन किया था। लेकिन उसके बाद भी दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि कर्मचारियों द्वारा अब भी लाभार्थियों के ऊपर और भी दबाव बनाया जा रहा है कि अगर आप लोग पैसा नहीं देंगे तो आपकी अगली किस्त रोक दी जाएगी। जिससे नाराज लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर इसकी शिकायत की है। वही इस संदर्भ में नगर पंचायत रामपुर के EO डॉक्टर संजय कुमार ने बताया कि डूडा के कर्मचारियों द्वारा यह कार्य कराया जा रहा है मुझे भी शिकायत मिली थी। वही डूडा के परियोजना अधिकारी अनिल वर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि शिकायत मिली थी जांच किया गया जो दोषी था उसे हटा दिया गया है। जबकि लाभार्थियों ने वर्तमान में तैनात जेई शशांक सिंह के खिलाफ ही विरोध प्रदर्शन किया था और उनके खिलाफ भी शिकायत की गई थी।

बाबा सैजनाथ पहलवान शिक्षण संस्थान पर छात्राओं को बांटे गए स्मार्टफोन सभी शिक्षक रहे मौजूद

प्रखर चंदौली। जनपद के चहनियां विकास खण्ड के छपरा तुर्कहा स्थित सैजनाथ पहलवान कालेज में आज स्मार्टफोन का वितरण किया गया जिसमे बतौर मुख्य अतिथि माननीय शिव तपस्या पासवान, पूर्व विधायक व डायरेक्टर ईस्टर्न कोलफील्ड भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि खण्ड विकास अधिकारी चहनिया सतीश चन्द्र त्रिपाठी, अन्य अतिथि डॉ प्रमोद चौबे श्री राम प्रकाश यादव प्रबंधक भोलानाथ महिला महाविद्यालय श्री शिवानंद प्रधान कुआं श्री रामचरण यादव पूर्व प्रधानाध्यापक , श्री जगदीश यादव पूर्व प्रधान रहे ` कार्यक्रम का संचालन श्री नागेश यादव प्रबंधक बाबा सैजनाथ पहलवान शिक्षण संस्थान महाविद्यालय छपरा तुर्कहा की तरफ से किया गया ` इस कार्यक्रम में स्मार्ट फोन पाने वाले कालेज में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं ने कहा कि स्मार्ट फोन मिलने से आगे कि तैयारियों में मदद मिलेगी ` खण्ड विकास अधिकारी सतीश चन्द्र त्रिपाठी ने स्मार्ट फोन पाने वाले लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारियो के लिए स्मार्ट फोन का बहुत बड़ा महत्त्व है इसकी मदद से आप सभी अपनी दक्षता को बढाते हुए भविष्य को उज्जवल बनाये, हमारी शुभकामनाए आपके साथ हैं ` सतीश चंद्र त्रिपाठी ने योगी सरकार को भी बधाई दिए और छात्राओं की समझ योगी सरकार की नीतियों और उनकी गतिविधियों को बताया और छात्राओं को बड़े ही सरलता पूर्वक समझाया और उनके उज्जवल भविष्य की लिए कामना किए इस कार्यकम में शक्ति यादव राजेश कुमार(प्रवक्ता) रंजीत यादव(प्रवक्ता)दीलीप यादव गुड्डू रामआशिष पाल शिव शंकर यादव सूरज यादव रोहित यादव हरिदास राम , आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल चलवाने के लिये अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के तीसरे चरण के आज 12वां दिन भी जारी

प्रखर कुशीनगर। भारतीय किसान यूनियन (अ) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने तथा कप्तानगंज चीनी मिल पर किसानों के गन्ने का भुगतान जो करोड़ों रुपए बकाया है उसका सम्पूर्ण भुगतान अबिलम्ब कराने के लिये किसानों द्वारा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के तीसरे चरण का आज 12वां दिन है। आज धरना प्रदर्शन स्थल से यूनियन के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने बताया कि, जनपद की कप्तानगंज चीनी मिल पर पेराई सत्र 2020-21 भुगतान का कोई अवशेष नही है और वही पेराई सत्र 2021-22 का गन्ने का भुगतान 4487.65 लाख रुपये अभी बकाया है। विशेष सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यदि कप्तानगंज चीनी मिल भुगतान करती है तो सब कुछ मिलाकर मात्र दो करोड़ रुपए का ही भुगतान हो सकता है क्योकि चीनी मिल के पास न ही शीरा बचा है और न ही चीनी। अब ऐसे में प्रश्न उठता है कि लगभग 43 करोड़ किसानों के गन्ने का भुगतान कैसे होगा? किसान अपनी गाढ़ी कमाई का रुपया गन्ना लगाने में लगा देता है और एक वर्ष बाद जब गन्ना तैयार होकर चीनी मिल में जाता है तो भुगतान होने में वर्षों लग जाते है इस स्थिति में किसान जाय तो जाय कहाँ? मिल मालिक गन्ना भुगतान कर ही नही रहा है साथ ही साथ सरकार के आदेश का उलन्घन भी कर रही है। आगे यूनियन के जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने सूबे के मुख्यमंत्री से बड़ी आग्रह के साथ पूछा है कि इस परिस्थिति में किसानों के गन्ने का भुगतान आप कैसे करायेगें? अन्त में जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी से विनम्रतापूर्वक माँग किया है लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने की घोषणा करके कार्य प्रारम्भ कराया जाय और कप्तानगंज चीनी मिल पर किसानों के गन्ने का भुगतान जो करोड़ों रुपए बकाया है उसका सम्पूर्ण भुगतान अबिलम्ब कराने का कोई रास्ता अख्तियार किया ताकि किसानों के गन्ने का भुगतान जितना जल्दी हो सके हो जाय अन्यथा यह अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन ऐसे ही चलता रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए पडरौना के होरलापुर बाजार में निःशुल्क किताब कापी वितरण शिविर का आयोजन

प्रखर कुशीनगर। राष्ट्रीय युवा शक्ति संघ के संस्थापक व संरक्षक डॉ के के गुप्ता जी द्वारा होरलापुर बाजार पडरौना के ग्रामीण बच्चों के लिए निःशुल्क कापी किताब वितरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कई गाँवो से आये सैकड़ो बच्चों को निःशुल्क कापी किताब वितरित की गयी। जिला प्रभारी व वरिष्ठ शिक्षक डी के मौर्या जी का कहना है कि शिक्षा के माध्यम से लोगो की सेवा करना एक पुनीत कार्य है। यूथ जिलाध्यक्ष अमित सिंह जी का कहना था कि पिछड़े इलाके में शिक्षा के माध्यम से लोगो की सेवा करना एक पुनीत कार्य है। हम लोगो के द्वारा इस तरह का आयोजन आगे भी जारी रखा जायेगा। इस शिविर के दौरान सन्गठन से जुड़े तमाम पदाधिकारी जैसे डॉ एस के जायसवाल जी , डॉ आर के यादव जी,राकेश, अरमान , धुरेन्द्र जी सामन्त जी विनोद जी ,संदीप जी करन आर्य ,कृष्णा जायसवाल जी,रितेश मिश्रा जी,अवनीश प्रताप मिश्रा, राहुल , अम्बानी ,रोशन, राजू गुप्ता सामनसमेत सैकड़ों विभिन्न क्षेत्रों के ग्रामवासी व प्रधान गण मौजूद रहे।

जय भारत मंच ने अपने संगठन का किया विस्तार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जय भारत मंच ने अपने संगठन के विस्तार के क्रम में चंदौली जिले के संगठन में स्थान दिया है। समुदपुर निवासी उपेंद्र नाथ सिंह गुड्डू (पूर्व ब्लॉक प्रमुख) को प्रदेश महामंत्री बनाया गया। फेसुड़ा निवासी अभिषेक सिंह प्रदेश मंत्री तथा अजय कुमार मिश्रा को मंडल अध्यक्ष वाराणसी मंडल के पद पर मनोनीत किया गया है डॉक्टर इंद्रेश कुमार वरिष्ठ प्रचारक आर.एस.एस, जय भारत मंच के प्रेरक हैं ` राष्ट्रीय समन्वयक गिरीश जुयाल प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने कहा कि उपेन्द्र ने अभी समाज के लिए बहुत अच्छा कार्य किया है जिसके कारण संस्था ने उन्हें ये पद देकर शुशोभित किया। कुछ दिन पहले ही एटा में जय भारत मंच द्वारा संचालित डॉ इंद्रेश कुमार गौशाला का उद्घाटन हुआ है जिसमे अजय मिश्र और उपेन्द्र जी का बहुत योगदान रहा` आर.एस.एस. और जय भारत मंच के कार्यकर्ताओ ने मिलकर बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

बिजली की शॉर्ट सर्किट से हजारों का सामान जला

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा थाना अंतर्गत घघसरा बाजार में विनोद कसौधन के दुकान में बिजली की शॉर्ट सर्किट से बक्से बनने की दुकान में आग लग गई, जिससे रखी गई - चारपाई, कपड़ा, बैग, खाने की सामग्री हजारों के सामान जलकर राख हो गए । बताया जाता है कि-मकान के ऊपर से बिजली का तार गया हुआ है । अचानक उस पर आकर एक चिड़िया बैठ गई और स्पार्किंग होने लगा, जिस कारण आग लग गई । तार टूट कर छत पर गिर पड़ा और आज घर के अंदर तक पहुंच गए जिस कारण हजारों का सामान जल गया। किसी तरह ग्रामीणों ने रामबचन चौरसिया, सूरज,अरविंद, रामचंद्र,हरिराम सरवन समेत दर्जनों युवाकों ने लोगों ने मिलकर आग बुझाई।

छात्र-छात्राओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट व स्मार्टफोन का वितरण

प्रखर जौनपुर। बायलासी महाविद्यालय जलालपुर जौनपुर में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2021-22 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 10 मार्च 2022 को किया गया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति के अंतर्गत महाविद्यालय से ही स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा आंचल गुप्ता को कार्यक्रम का मुख्य अतिथि बनाया गया। उक्त कार्यक्रम में स्नातक अंतिम वर्ष के कुल 410 छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर चौधरी सचिव डॉ विजय प्रताप सिंह नोडल प्रभारी डॉ प्रवीण श्रीवास्तव, श्री सोमारू राम, डा. अलकेश्वरी सिंह, श्री जगत नारायण सिंह, डॉ अंशुमान सिंह, डा. आशुतोष पाण्डेय, श्री अनिल कुमार, श्री सफीउल्लाह अंसारी, आदि मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं